घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 14- शुक्रवार 14- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

हर आतंकी घटना के बाद कांग्रेस करती है घटिया राजनीति : प्रह्लाद जोशी

बेंगलुरु,13 नवम्बर 2025। दिल्ली विस्फोट के बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा है कि देश में कहीं भी कोई विस्फोट या आतंकवादी हमला होता है तो कांग्रेस बेहद निम्न स्तर की राजनीति पर उतर आती है। अब दिल्ली विस्फोट में भी वह यही कर रही है। गुरुवार को संसदीय मामलों, कोयला और खान मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री जोशी ने एक बयान जारी कर कहा कि दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार विस्फोट से देश हिल गया है। ऐसे में कांग्रेस नेता एकजुटता नहीं दिखा रहे हैं और विरोधाभासी बयान दे रहे हैं। मानो वे आतंकवादियों को पनाह दे रहे हों। जोशी ने कड़ा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट और बिहार चुनाव के बीच क्या संबंध है? कांग्रेस नेताओं को थोड़ा और संवेदनशील होना चाहिए। जोशी ने ज़मीर अहमद पर गैर-ज़िम्मेदाराना बयान देने और आतंकवादियों को बढ़ावा देने वाली निम्नस्तरीय राजनीति करने का आरोप लगाया है। मंत्री जोशी ने दिल्ली कार विस्फोट घटना की कड़ी निंदा की है, जिसमें 12 निर्दोष लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए, फिर भी उनका ऐसा बोलना वास्तव में शर्मनाक है, जैसे कि उन्हें जीवन का मूल्य ही नहीं पता। उन्होंने कहा कि दिल्ली विस्फोट-आतंकवादी घटना की जांच चल रही है, लेकिन कांग्रेस नेता जल्दी ही निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। वे हर मामले में पाकिस्तान जैसे बयान दे रहे हैं, चाहे वह बेंगलुरु कैफ़े विस्फोट हो या पहलगाम आतंकी हमला। उन्होंने कहा कि देश में कहीं भी आतंकवादी हमला हो, तो आतंकवादियों को परास्त करने के लिए निष्पक्ष समर्थन दिखाना चाहिए और एकजुटता की ताकत का प्रदर्शन करना चाहिए। आतंकवादियों के खिलाफ एक मजबूत आवाज उठानी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर का हर निवासी आतंकवादी नहीं शांति भंग करने वाले कुछ ही लोग : उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2025। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को नई दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट की निंदा की। साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का हर निवासी आतंकवादी नहीं,बल्कि शांति भंग करने वाले कुछ लोग ही हैं। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि जब हम जम्मू-कश्मीर के हर निवासी और हर कश्मीरी मुसलमान को एक ही विचारधारा से देखते हैं और सोचते हैं कि उनमें से हर एक आतंकवादी है, तो लोगों को सही रास्ते पर रखना मुश्किल हो जाता है। दिल्ली में कथित आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि इस क्षेत्र में शांति और भाईचारे को नष्ट करने वाले कुछ ही लोग हैं और हर कश्मीरी को आतंकवाद से जुड़ा बताना उचित नहीं है। कोई भी धर्म इतनी क्रूरता से निर्दोष लोगों की हत्या को उचित नहीं ठहरा सकता। जांच जारी रहेगी, लेकिन कुछ ही लोग हैं, जिन्होंने हमेशा शांति और भाईचारे को नष्ट किया है। उन्होंने ज़िम्मेदार लोगों को कड़ी सज़ा देने का आह्वान किया। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि निर्दोष लोग इससे दूर रहें। उन्होंने कहा कि क्या हमने इससे पहले विश्वविद्यालयों के प्रोफ़ेसरों को नहीं देखा... कौन कहता है कि पढ़े-लिखे लोग ऐसी चीज़ों में शामिल नहीं होते हैं।

मोबाइल का वॉटरप्रूफ वाला दावा फेल,कोर्ट ने सुनाया ये फैसला

संतकबीरनगर,13 नवम्बर 2025। यूपी के संत कबीर नगर जिले में एक महंगे 'वाटर रेसिस्टेंट' मोबाइल के पानी की हल्की बूंदों से खराब हो जाने पर जिला उपभोक्ता आयोग ने बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने निर्माता कंपनी और विक्रेता को मोबाइल की पूरी कीमत 10% ब्याज के साथ लौटाने और क्षतिपूर्ति के रूप में 30,000 अतिरिक्त देने का आदेश दिया है। जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा सैमसंग कंपनी को मोबाइल की कीमत सहित ब्याज वापस करने का आदेश दिया गया है। यह कार्रवाई संतकबीरनगर जिले के उस्का कला निवासी शक्ति विकास पांडेय की शिकायत पर हुई है। उन्होंने कोर्ट में वाद दाखिल किया था। पांडेय के मुताबिक, कंपनी द्वारा वाटरप्रूफ बताकर बेचा गया मोबाइल हल्की बारिश की बूंदों से खराब हो गया था। उनकी शिकायत पर न्यायालय ने साक्ष्यों का अवलोकन करने और बहस सुनने के बाद यह फैसला सुनाया. दरअसल, खलीलाबाद के उस्का कला निवासी शक्ति विकास पांडेय ने 28 दिसंबर 2022 को खलीलाबाद स्थित अग्रवाल टेलीकॉम से 1,57,998 में सैमसंग का फोल्ड फोर मोबाइल खरीदा था।

दिल्ली ब्लास्ट : आतंकी लेना चाहते थे बाबरी का बदला

देशभर में 32 कारों से धमाके की साजिश थी,दिल्ली कार ब्लास्ट इसी का हिस्सा था...

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2025। लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके की जांच में गुरुवार को बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकी 6 दिसंबर, यानी बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। इनमें बम और विस्फोटक सामग्री भरकर धमाके किए जाने थे। इनमें ब्रेजा, स्विफ्ट डिजाइर,इकोस्पोर्ट और आई20 जैसी गाड़ियां शामिल थीं। जांच एजेंसियों को अब तक चार कारें बरामद हो चुकी हैं। 10 नवंबर जिस आई20 कार में धमाका हुआ था, वह इसी सीरियल रिवेंज अटैक का हिस्सा थी। ब्लास्ट से अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है,जबकि 20 लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है।

दिल्ली ब्लास्ट में खुलासे...

जनवरी में लाल किले की रेकी की थी...

दिल्ली को दहलाने की साजिश जनवरी से रची जा रही थी। गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल डंप डेटा से पता चला कि फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल गनी और धमाके में कथित रूप से मारे गए डॉ. उमर नबी ने जनवरी में कई बार लाल किले की रेकी की थी। दोनों ने वहां की सुरक्षा-और भीड़ का पैटर्न समझा था। पुलिस को शक है कि आतंकियों की प्लानिंग 26 जनवरी पर लाल किले पर हमले की थी, जो तब नाकाम हो गई।

दिल्ली में 6 दिसंबर को हमले का प्लान था...

नबी दिल्ली में 6 दिसंबर को हमला करना चाहता था,लेकिन मुजम्मिल की गिरफ्तारी से प्लान बिगड़ गया। यह बात 8 आरोपियों से पूछताछ में सामने आई है। इस अंतरराज्यीय मॉड्यूल का केंद्र फरीदाबाद में था। गिरफ्तार आतंकियों में 6 डॉक्टर हैं। श्रीनगर का रहने वाला एक अन्य संदिग्ध डॉ. निसार फरार है। वह डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ कश्मीर का अध्यक्ष भी है। अलफलाह में पढ़ा रहा था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने डॉ. निसार को बर्खास्त कर दिया है।

दिल्ली एनसीआर में 200 बम फटने वाले थे...

दिल्ली ब्लास्ट पाकिस्तान की साजिश का हिस्सा था। जिन डॉक्टरों के दिमाग में जिहादी सोच को कूट कूट. कर भरा गया, उनके मंसूबे और खतरनाक थे। जांच एजेंसियों ने खुलासा किया है कि दिल्ली एनसीआर में 200 बम फटने वाले थे। 26/11 हमले की तरह साजिश अंजाम तक पहुंचने वाली थी।

खाद की बोरी बता विस्फोटक जुटा रहा था गनी

फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी में काम कर रहा कश्मीरी डॉ. मुजम्मिल गनी खाद की बोरियां बताकर किराए के कमरे में विस्फोटक सामग्री जमा कर रहा था। 20 दिन पहले मुजम्मिल कमरे में कुछ बोरियां रखने आया था, तब पड़ोसियों ने उससे पूछा था कि इसमें क्या है? जवाब में मुजम्मिल ने कहा था कि ये खाद के कट्टे हैं। इन्हें कश्मीर ले जाना है। इस कमरे से 100 मीटर दूर एक मकान में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। पुलिस ने फुटेज जब्त कर लिए हैं।

अल फलाह विश्वविद्यालय की भूमिका संदिग्ध

अल फलाह विश्वविद्यालय फरीदाबाद जिले के धौज इलाके में स्थित है और इसके परिसर में एक मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भी संचालित होता है। अधिकारियों ने बताया कि जिस कार में धमाका हुआ, उसे चला रहा उमर नबी इसी विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर था। धमाके के बाद तीन डॉक्टरों को भी हिरासत में लिया गया है, जिनका संबंध इसी संस्थान से बताया जा रहा है।

बिहार में 38 जिलों के 46 केंद्रों पर मतगणना आज

पटना,13 नवम्बर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव संपन्न होने के उपरांत मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने राज्य के 46 मतगणना केंद्रों पर मतों की गिनती कराने को लेकर तैयारियां सुनिश्चित कर ली हैं। बिहार में बीते 6 और 11 नवम्बर को संपन्न 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए 67.13 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है। चुनाव आयोग ने राज्य के 38 जिलों में कुल 46 मतगणना केंद्र बनाए हैं। कुल 7.45 करोड़ मतदाता 2,616 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला कर चुके हैं। इंतजार अब परिणाम का है। शुक्रवार को सुबह आठ बजे सर्वप्रथम डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होगी। इसके उपरांत 8.30 बजे से ईवीएम की गिनती शुरू कराने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप मतगणना की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मतगणना केंद्र की सुरक्षा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त प्रोटोकॉल निर्धारित किए गए हैं। मतगणना स्थल पर कोई भी व्यक्ति मोबाइल फोन लेकर नहीं जा सकेगा। आयोग ने सभी निर्वाची अधिकारियों, मतगणना पर्यवेक्षकों, माइक्रो आब्जर्वर एवं सहायकों को निर्देश दिया गया है कि स्वतंत्र,निष्पक्ष,भयमुक्त और पारदर्शी

मतगणना कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। पटना जिले में 14 विधानसभा सीटें हैं। सबसे ज्यादा सीट वाले जिले में वोटों की गिनती के लिए सिर्फ एक ही सेंटर बनाया गया है। पटना के एएन कॉलेज में 14 विधानसभा सीटों की गिनती की जाएगी। एक से ज्यादा काउंटिंग सेंटरों में सहरसा,भागलपुर,वैशाली,ईस्ट चंपारण, सीवान और पूर्णिया जिले के नाम हैं। पूर्वी चंपारण जिले में विधानसभा की 12 सीटें हैं। इन सभी सीटों के लिए टीचर ट्रेनिंग कॉलेज,मोतिहारी में काउंटिंग सेंटर बनाया गया है। इस सेंटर पर मधुबन,सुगौली,नरकटिया,चिरैया,ढाका और रक्सौल की सीटों की गिनती की जाएगी। इसके अलावा केसरिया, हरसिद्धि, पिपरा, कल्याणपुर, मोतिहारी और गोविंदगंज की सीटों की मतगणना एमसएस कॉलेज, मोतिहारी में होगी। पश्चिमी चंपारण जिले की 9 विधानसभा सीटों में चनपटिया, बेतिया, सिकटा, बेतिया-वाल्मीकि नगर, बगहा,रामनगर,नौतन,लौरिया और नरकटियागंज के लिए बेतिया मार्केटिंग यार्ड में मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। सीतामढ़ी की 8 विधानसभा सीटों की गिनती सीतामढ़ी इंजीनियरिंग कॉलेज में होगी। यहां पर रुन्नीसैदपुर,बेलसंड,रीगा,बथनाहा,सुरसंड, परिहार,बाजपट्टी और सीतामढ़ी की सीटों की काउंटिंग की जाएगी।

रेगिस्तानी क्षेत्र के 'अखंड प्रहार' अभ्यास में थल सेना और वायु सेना ने दिखाया सहज तालमेल

जयपुर,13 नवम्बर 2025। भारतीय सेना की दक्षिणी कमान ने तीनों सेनाओं के अभ्यास 'त्रिशूल' के अंतर्गत रेगिस्तानी क्षेत्र में 'अखंड प्रहार' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने अभ्यास के दौरान कोणार्क कोर की युद्धक तैयारियों की समीक्षा की। डिफेंस पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने बताया कि इस अभ्यास ने रुद्र ब्रिगेड द्वारा जमीनी अभियानों, विशेष हेलीबोर्न अभियानों और आर्मी एविएशन द्वारा समन्वित हमलावर हेलीकॉप्टर मिशन सहित मशीनीकृत और पैदल सेना युद्धाभ्यासों से लेकर सभी आर्म्स और सर्विसेस के एकीकृत उपयोग के माध्यम से कोणार्क कोर की पूर्ण-स्पेक्ट्रम युद्ध तत्परता को प्रमाणित किया। इस अभ्यास के दौरान भारतीय थल सेना और भारतीय वायु सेना के बीच सहज तालमेल देखा गया और इसमें पैदल सेनाओं के फाइटर ग्राउंड अटैक मिशन भी शामिल थे। यह अभ्यास भविष्य की युद्ध आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अगली पीढ़ी की स्वदेशी तकनीकों के वास्तविक युद्धक परिस्थितियों में मूल्यांकन का महत्वपूर्ण मंच भी रहा। स्वदेशी ड्रोन, मानवरहित प्रणालियाँ,ड्रोन-रोधी प्रणालियाँ और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध ग्रिड का उपयोग, रक्षा में आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित करता है।

पंजाब में विदेशी हैंडलरों से जुड़े 10 मुख्य सहयोगी गिरफ्तार,ग्रेनेड हमले की साजिश बेनकाब

चंडीगढ,13 नवम्बर 2025। लुधियाना पुलिस आयुक्तालय ने विदेशी हैंडलरों से जुड़े 10 मुख्य सहयोगियों को गिरफ्तार करके पाकिस्तानी खुफ़िया एजेंसी आईएसआई समर्थित ग्रेनेड हमला मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पकड़े गए आरोपित मलेशिया स्थित तीन सहयोगियों के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे, ताकि हैंड ग्रेनेड की प्राप्ति और आपूर्ति के लिए समन्वय स्थापित किया जा सके। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान कुलदीप सिंह, शेखर सिंह और अजय सिंह उर्फ अजय के रूप में हुई है, जो सभी मुक्तसर साहिब के निवासी हैं। अमरीक सिंह,परमिंदर उर्फ चिड़ी, विजय, सुखजीत सिंह उर्फ सुख बराड़,सुखविंदर सिंह,करनवीर सिंह उर्फ विक्की और साजन कुमार उर्फ संजू को कूरियर और सहयोगी की भूमिका निभाने के आरोप में विभिन्न जेलों से प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया है।

अमित शाह ने गुजरात में किया मोतीभाई आर. चौधरी सागर सैनिक स्कूल और सागर ऑर्गेनिक प्लांट का उद्घाटन

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2025। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के माणसा में श्री मोतीभाई आर. चौधरी सागर सैनिक स्कूल (एमआरसीएसएसएस) और सागर ऑर्गेनिक प्लांट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस मौके पर शाह ने हाल ही में दिल्ली में हुए कार विस्फोट में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह संकल्प है कि इस हमले के दोषियों को कठोर से कठोर सजा दी

जाएगी। उन्होंने कहा कि दोषियों को मिलने वाली सजा दुनिया को यह संदेश देगी कि भारत में आतंकवादी घटनाओं के लिए कोई जगह नहीं है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है और पूरी दुनिया ने भारत की इस दृढ़ नीति को स्वीकार किया है। गुजरात में उद्घाटन समारोह के दौरान शाह ने कहा कि मोतीभाई चौधरी सागर सैनिक स्कूल राज्य के युवाओं को भारतीय सशस्त्र सेनाओं में सेवा करने के लिए प्रेरित करेगा। 11 एकड़ भूमि पर बने इस आधुनिक स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम,हॉस्टल,पुस्तकालय और कैन्टीन जैसी सुविधाएं हैं। लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह स्कूल प्रधानमंत्री मोदी की उस योजना का हिस्सा है, जिसके तहत पीपीपी मॉडल पर देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं।

पुणे में 25 गाड़ियां टकराईं,9 लोगों की मौत

ट्रकों के बीच दबी कार में आग लगी,कंटेनर भी जला,ट्रक का ब्रेक फेल होने से हादसा

पुणे,13 नवम्बर 2025। पुणे के बाहरी इलाके में नवले ब्रिज के पास गुरुवार शाम ट्रक का ब्रेक फेल होने से 20 से 25 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। ट्रक और कंटेनर के बीच में फंसी एक कार में आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई 25 लोग घायल हो गए। हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। मरने वालों में 5 कार सवार थे। ट्रक के ड्राइवरों की भी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक,हादसा पुणे-नासिक हाईवे पर भोरगांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से कंटेनरों के बीच दब गई और आग लगने के कुछ सेकेंड में ही लपटों में घिर गई। मृतकों की पहचान की जा रही है। हादसे के बाद करीब एक घंटे तक हाईवे पर ट्रैफिक प्रभावित रहा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मृतकों के परिवार को 5-5 लाख रुपए की मदद देने का ऐलान किया है।

कई वाहन आपस में भिड़े

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हादसे में घायल हुए सभी लोगों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि सतारा

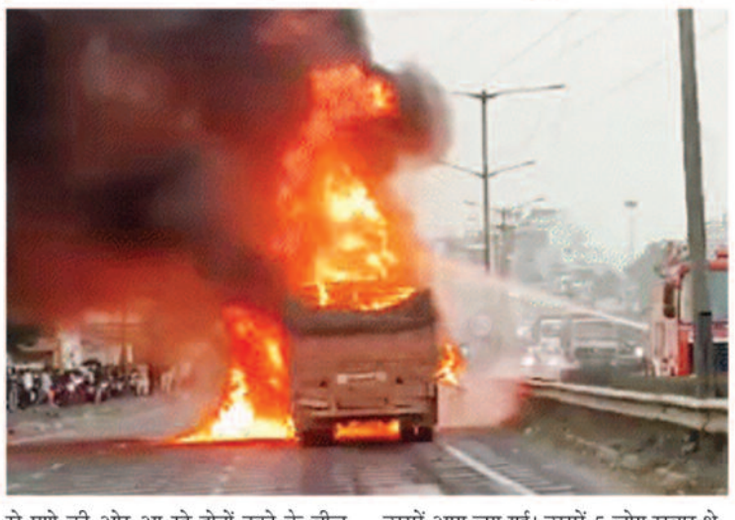

से पुणे की ओर आ रहे दोनों ट्रको के बीच कार फंस गई थी। इससे दोनों ट्रकों और कार में आग लग गई। हादसे के कारण नवले ब्रिज पर लंबा जाम लग गया है। पीछे वाले ट्रक का ड्राइवर अभी भी ट्रक में फंसा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,एक ट्रक के ब्रेक फेल हो गए और वह आगे जा रही कार से टकराया जिससे वह कंटेनर से जा भिड़ी और उसमें आग लग गई। उसमें 5 लोग सवार थे, कार पूरी तरह जल गई। ट्रक में भी आग लग गई इससे ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका। उसकी भी मौत हो गई। पीछे एक यात्री वाहन था, वह भी आग की चपेट में आ गया। उसमें 17-18 लोग सवार थे। सभी घायल हुए हैं। इसके अलावा कुछ कारें और अन्य वाहन भी आपस में टकरा गए।

सीएम फडणवीस ने मदद का ऐलान किया

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और मरने वालों के परिवार को 5-5 लाख रुपए की मदद देने का ऐलान किया। सांसद सुप्रिया सुले ने भी हादसे पर दुख जताते हुए घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की।

पुणे-बेंगलोर नेशनल हाईवे पर नवले ब्रिज पर हुआ हादसा

इस हादसे के बाद पुणे-बेंगलुरु हाईवे पर यातायात ठप हो गया है. दो कंटेनरों की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई. आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं. अब आग पर काबू पा लिया गया है. नवले ब्रिज पर हुए इस हादसे के बाद काफी हंगामा हुआ. शुरुआत में बताया गया था कि हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है. बाद में यह संख्या बढ़कर अब सात हो गई है।

टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई ने हासिल की ऐतिहासिक रफ्तार : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में तपेदिक (टीबी) नियंत्रण में मिली ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2025 में यह स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है कि भारत में टीबी के मामलों में 2015 की तुलना में उल्लेखनीय कमी आई है और यह गिरावट वैश्विक औसत से लगभग दोगुनी तेज़ है। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए गुरुवार को एक्स पर लिखा, 'टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रही है। डब्ल्यूएचओ की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत ने 2015 से अब तक टीबी की घटनाओं में सराहनीय कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत दर से लगभग दोगुनी है। यह दुनिया में दर्ज हुई सबसे तेज़ गिरावटों में से एक है। उतना ही उत्साहजनक है उपचार कवरेज का बढ़ना, 'मिसिंग केस' की कमी और उपचार सफलता में निरंतर वृद्धि। मैं उन सभी को बधाई देता हूं जिन्होंने इस सफलता में योगदान दिया है। हम एक स्वस्थ और फिट भारत सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ' डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में टीबी के नए मामलों (टीबी इंसीडेंस) में 21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है- 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 237 मामले थे, जो 2024 में घटकर 187 रह गए हैं। यह दर वैश्विक औसत गिरावट (12 प्रतिशत) की तुलना में लगभग दो गुना है। भारत ने टीबी मृत्यु दर को भी उल्लेखनीय रूप से घटाया है। वर्ष 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 मौतें होती थीं, जो 2024 में घटकर 21 रह गई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत उपचार कवरेज 92 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो अन्य उच्च-भार वाले देशों और वैश्विक औसत से अधिक है। साथ ही उपचार सफलता दर 90 प्रतिशत रही है, जबकि वैश्विक दर 88 प्रतिशत है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय स्वास्थ्यकर्मियों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं, निश्चय मित्रों और टीबी उन्मूलन मिशन से जुड़े सभी नागरिकों को देते हुए कहा कि यह सफलता जनभागीदारी और प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग का प्रमाण है।

संपादकीय

शीघ्र लागू की जाएं चारों श्रम संहिताएं

संतुलित विकास का ढांचा प्रदान करने में सक्षम होंगी

भारत के कार्यबल को ऐसे औपचारिक रोजगार में तेजी से जगह मिलनी चाहिए,जहां उचित वेतन और व्यापक सामाजिक सुरक्षा मिले,जिससे विकास के लाभ से सभी को सुरक्षित और सम्मानजनक आजीविका प्राप्त हो। पुराने श्रम नियमों के बने रहने से गुणवत्तापूर्ण रोजगार देने की उद्यमों की क्षमता आंशिक रूप से प्रभावित हुई। इसी के आलोक में राष्ट्रीय श्रम आयोग ने श्रम सुधारों की जो कल्पना की, वह काफी समय से लंबित थी। इन्हें 2019 और 2020 के बीच संसद द्वारा चार श्रम संहिताओं के रूप में पारित किया गया। ये संहिताएं देश के श्रम परिदृश्य को आधुनिक बनाने और संरचनात्मक असंतुलनों को दूर करने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करती हैं। दशकों पुराने 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को सरल और आधुनिक बनाते हुए चार नई श्रम संहिताओं के निर्माण का उद्देश्य न केवल कानूनों को एकीकृत स्वरूप प्रदान करना है,बल्कि काम को अधिक निष्पक्ष,सुरक्षित और उत्पादक बनाना है।

मजदूरी संहिता,2019 यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है कि प्रत्येक श्रमिक को श्रम की गरिमा का सम्मान करने वाला न्यूनतम वेतन मिले। पहले न्यूनतम वेतन केवल निर्धारित व्यवसायों तक ही सीमित था,लेकिन अब इसे सभी क्षेत्रों और संगठित और असंगठित के समस्त श्रमिकों पर लागू कर दिया गया है। यह न्यूनतम वेतन का सार्वभौमीकरण श्रमिकों को कानूनी रूप से बुनियादी वेतन का अधिकार देता है। इसके साथ ही पहली बार एक राष्ट्रीय आधार वेतन (फ्लोर वेज) की व्यवस्था की गई है, जिसे केंद्र सरकार जीवन स्तर और क्षेत्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तय करेगी। कोई भी राज्य इससे कम न्यूनतम वेतन नहीं तय कर सकेगा। इससे राज्यों के बीच वेतन असमानता भी घटेगी और देशभर के श्रमिकों को समान अवसर मिलेगा। संहिता यह भी सुनिश्चित करती है कि वेतन की समीक्षा नियमित रूप से हो,ताकि बदलती आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप श्रमिकों की आय प्रासंगिक बनी रहे। इस संहिता के तहत विवादों में प्रमाण प्रस्तुत करने का भार नियोक्ता पर होगा, जिससे उनकी जवाबदेही बढ़ेगी। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 स्वतंत्र भारत में जन कल्याण के सबसे समावेशी विस्तारों में से एक है। कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम,कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम और प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम सहित नौ प्रमुख कानूनों को मिला कर यह एक एकीकृत प्रणाली स्थापित करती है, जो पारंपरिक और नए, दोनों प्रकार के कार्यों को कवर करती है। पहली बार गिग श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को राष्ट्रीय कार्यबल का हिस्सा माना गया है। प्रत्येक श्रमिक को पंजीकृत किया जाएगा, उसे एक विशिष्ट सामाजिक सुरक्षा संख्या जारी की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मातृत्व सहायता जैसे लाभ का सीधा वितरण संभव हो सकेगा।

मधुमेह को दवा से ही नहीं,संतुलित जीवन से परास्त करें

दुनिया में बढ़ती मधुमेह की भयावहता इसलिये चिन्ताजनक है कि हर तीसरा शहरी वयस्क डायबिटीज से जूझ रहा है। यह बीमारी अनेक अन्य बीमारियों को भी बढ़ाने का बड़ा कारण है। मधुमेह के बढ़ने के कारणों में मुख्यत:खानपान में अनियमितता और शारीरिक निष्क्रियता सबसे बड़ी वजह है। विश्व मधुमेह दिवस हर वर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिन प्रसिद्ध वैज्ञानिक फ्रेडरिक बैंटिंग के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने 1922 में इंसुलिन की खोज कर दुनिया को मधुमेह से राहत देने का मार्ग दिखाया। अंतरराष्ट्रीय मधुमेह संघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1991 में इसकी शुरुआत की थी। इस वर्ष का थीम है मधुमेह और समग्र कल्याण। यह थीम इस तथ्य पर केंद्रित है कि मधुमेह का उपचार केवल दवाइयों से नहीं बल्कि संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली से संभव है। मधुमेह आज एक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। बदलती जीवनशैली,अनियमित भोजन,तनाव,मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता इसके प्रमुख कारण हैं। यह बीमारी चुपचाप शरीर को भीतर से खोखला करती है और हृदय,गुर्दे,आंखों और नसों पर गहरा असर डालती है। मधुमेह को नियंत्रित करना केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। इसके लिए सबसे पहले जीवन में संतुलन एवं सात्विक जीवनशैली की आवश्यकता होती है यानी संतुलित आहार,संतुलित नींद, संतुलित विचार और संतुलित आचरण। जीवन का यह संतुलन ही स्वास्थ्य का मूल मंत्र है। जब हम अपने जीवन को एक अनुशासन में ढालते हैं, तो रोग अपने आप दूर भागते हैं। मधुमेह आज केवल रोग नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है।

ललित गर्ग
पटपड़गंज, दिल्ली-

मधुमेह का प्रबंधन केवल दवा और आहार तक ही सीमित नहीं है,इसमें मानसिक स्वास्थ्य सहायता,तनाव प्रबंधन,जीवनशैली शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव भी शामिल है। इसका लक्ष्य रोगी को मधुमेह की चुनौतियों का सामना करते हुए एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना है। समग्र देखभाल, शीघ्र हस्तक्षेप और सहायक वातावरण को बे ावा देकर,मधुमेह रोग के बजाय व्यक्ति के उपचार के महत्व पर जोर देना मधुमेह दिवस का उद्देश्य है। यह दिवस मधुमेह से पीड़ित लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और जीवन की गुणवत्ता के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर प्रकाश डालता है। इस वर्ष का अभियान डॉक्टरों,नीति निर्माताओं और समुदायों से आग्रह करता है कि वे केवल रक्त शर्करा के स्तर से आगे बे कर रोगी के संपूर्ण कल्याण पर ध्यान केंद्रित करें। डायबिटीज जैसी घातक एवं असाध्य बीमारी को नियंत्रित करने के लिये अफवाहों से बचना जरूरी है,इसके लिये बड़ा दिल नहीं,समझदार दिल होना चाहिए। मर्यादित आहार ही,इस बीमारी को रोकने का एक सस्ता और असरदार उपाय हो सकता है। डायबिटीज (मधुमेह) की समस्या भारत समेत पूरे विश्व में तेजी से बे रही है। इसके चलते हमें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। डायबिटीज

पहले अमूमन अधेड़ उम्र के लोगों में होती थी,अब यह बच्चों एवं युवकों को भी शिकंजे में ले रही है। भारत में करीब 10 करो लोगों को डायबिटीज है। वहीं विश्व में 44 करो लोग इससे पीड़ित है। भारत में डायबिटीज की प्रचलित दर 11.5 प्रतिशत है,जबकि प्री डायबिटीज के मामलों की दर 15.3 प्रतिशत तक पहुँच गई है , यानी देश का हर 10 में से एक व्यक्ति इस बीमारी से प्रभावित है। एक अनुमान के अनुसार 85 करोड़ लोग दुनिया भर में डायबिटीज के मरीज 2050 तक हो जाएंगे। मधुमेह से बचने और इसे नियंत्रित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है नियमित शारीरिक गतिविधि। सुबह-सुबह की सैर, हल्का व्यायाम, दौड़ना या साइकिल चलाना न केवल शरीर को सक्रिय रखता है बल्कि रक्त में ग्लूकोज के स्तर को भी संतुलित करता है। इसके साथ ही योग और ध्यान का अभ्यास मधुमेह के नियंत्रण में अत्यंत प्रभावी माना गया है। योग केवल शरीर को लचीला नहीं बनाता बल्कि मन को शांत करता है और तनाव को कम करता है। प्राणायाम,अनुलोम-विलोम,कपालभाति,भ्रामरी जैसे योग अभ्यास इंसुलिन के स्राव को संतुलित करते हैं और मन को स्थिर बनाते हैं। ध्यान से मन की अस्थिरता और चंचलता कम होती है, जिससे तनाव नियंत्रित रहता है। तनाव और अवसाद मधुमेह के छिपे हुए शत्रु हैं। जब मन तनावग्रस्त होता है तो शरीर में कोर्टिसोल जैसे हार्मोन बढ़ जाते हैं, जो रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ाते हैं। इसलिए मन को शांत और प्रसन्न रखना उतना ही आवश्यक है जितना शरीर को स्वस्थ रखना। मधुमेह के प्रबंधन में भोजन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। खानपान में शुद्धता और संयम दोनों ही जरूरी हैं। आज के समय में फास्ट फूड, प्रोसेस्ड फूड, तले-भुने और मीठे खाद्य पदार्थों की भरमार ने लोगों के स्वास्थ्य को बिगाड़ दिया है। भोजन में सादा, ताजा और पौष्टिक आहार अपनाना ही सबसे बड़ी दवा है। साबुत अनाज, दालें,हरी सब्जियां, सलाद, फल, अंकुरित अनाज और पर्याप्त मात्रा में पानी-ये सब मिलकर शरीर को ऊर्जा तो देते ही हैं,मधुमेह को भी नियंत्रित रखते हैं। अधिक तला-भुना,मिठाई,नमक,और चाय-कॉफी जैसी चीजें सीमित मात्रा में लेनी चाहिए। समय पर भोजन करना और ओवरईटिंग से बचना भी आवश्यक है। खाना न केवल पेट भरने का माध्यम है बल्कि यह हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करता है। 'जैसा अन्न वैसा मन'-यह कहावत मधुमेह के संदर्भ में बिल्कुल सत्य है।संतुलित जीवनशैली का अर्थ केवल आहार-विहार का नियंत्रण नहीं बल्कि सकारात्मक सोच और अनुशासित दिनचर्या भी है। जो व्यक्ति अपने दिन का एक निश्चित समय योग,ध्यान और आत्मचिंतन में लगाता है, वह न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहता है। तनाव, क्रोध, ईर्ष्या,असंतोष जैसी भावनाएं मन में रासायनिक असंतुलन पैदा करती हैं जो धीरे-धीरे शरीर में रोगों का कारण बनती हैं। अति-विचार से बचना भी जरूरी है। मधुमेह से बचने के लिए इन मानसिक विषों को दूर रखना उतना ही आवश्यक है जितना दवा लेना। अपने मन को हल्का और हृदय को प्रसन्न रखने की कला सीखनी होगी। धार्मिक प्रवृत्तियाँ,सत्संग,संगीत,साहित्य, प्रकृति के निकट समय बिताना, परिवार के साथ हंसी-मजाक करना-ये सब जीवन को संतुलन और आनंद से भर देते हैं।

मधुमेह के रोगियों को नियमित रूप से अपने शुगर स्तर की जांच करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह का पालन करना चाहिए। दवा के साथ-साथ आत्म-निगरानी और जीवनशैली में निरंतर सुधार ही स्थायी स्वास्थ्य का आधार है। छोटी-छोटी बातों में सावधानी बे ी बीमारियों से रक्षा करती है। शरीर को सक्रिय रखना, मन को शांत रखना और भोजन को संयमित रखना-ये तीन सूत्र मधुमेह नियंत्रण के त्रिदेव हैं। इस वर्ष के विश्व मधुमेह दिवस का संदेश यही है कि केवल दवा नहीं, बल्कि जीवन की दिशा बदलनी होगी। मधुमेह को नियंत्रण में रखने का सबसे कारगर उपाय है-संतुलित जीवन। जब मन, शरीर और आत्मा का समन्वय होता है तो स्वास्थ्य अपने आप खिल उठता है। इस 14 नवम्बर को हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी जीवनशैली को अनुशासित, सकारात्मक और स्वास्थ्य-केंद्रित बनाएंगे। नियमित योग और ध्यान करेंगे,भोजन में संयम रखेंगे, तनाव को दूर करेंगे और अपने शरीर को प्रेम से समझेंगे। क्योंकि स्वस्थ शरीर ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। मधुमेह जैसी बीमारी हमें भयभीत करने के लिए नहीं आई, बल्कि हमें सजग,अनुशासित और संतुलित जीवन जीने का संदेश देने के लिए आई है। अगर हम यह संदेश समझ जाएं तो मधुमेह भी जीवन के संतुलन की शिक्षक बन जाती है।

जवाहर लाल नेहरू के 136 वीं जन्म दिवस पर विशेष

बच्चों के चाचा-जवाहर लाल नेहरू

लाल बिहारी लाल

बच्चें हर देश का भविष्य और उसकी तस्वीर होते हैं। बच्चे ही किसी देश के आने वाले भविष्य को तैयार करते हैं। लेकिन भारत जैसे देश में बाल मजदूरी,बाल विवाह और बाल शोषण के तमाम ऐसे अनैतिक और क्रूर कृत्य मिलेंगे जिन्हें देख आपको यकीन नहीं होगा कि यह वही देश है जहां भगवान विष्णु को बाल रूप में पूजा जाता है और जहां के प्रथम प्रधानमंत्री को बच्चे इतने प्यारे थे कि उन्होंने अपना जन्म दिवस ही उनके नाम कर दिया। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से विशेष प्रेम था। यह प्रेम ही था जो उन्होंने अपने जन्म दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से लगाव था तो वहीं बच्चे भी उन्हें चाचा नेहरू के नाम से जानते थे। जवाहरलाल नेहरू ने नेताओं की छवि से अलग हटकर एक ऐसी तस्वीर पैदा की जिस परचलना आज के नेताओं के बस की बात नहीं। आज चाचा नेहरू का जन्मदिन है,तो चलिए जानते हैं जवाहरलाल नेहरू के उस पक्ष के बारे में जो उन्हें बच्चों के बीच चाचा बनाती थी।

14 नवंबर,1889 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में जन्मे पं. नेहरू का बचपन काफी शानोशौकत से बीता। उनके पिता देश के उच्च वकीलों में से एक थे। पं. मोतीलाल नेहरु देश के एक जाने माने धनाढ्य वकील थे। उनकी मां का नाम स्वरूप रानी नेहरू था। वह मोतीलाल नेहरू के इकलौते पुत्र थे। इनके अलावा मोती लाल नेहरू की तीन पुत्रियां थीं उनकी बहन विजयलक्ष्मी पंडित बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। पं. नेहरु महात्मा गांधी के कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़े। चाहे असहयोग आंदोलन की बात हो या फिर नमक सत्याग्रह या फिर1942 के भारत छोड़ो आंदोलन की बात हो उन्होंने गांधी जी के हर आंदोलन में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। नेहरू की विश्व के बारे में जानकारी से गांधी जी काफी प्रभावित थे और इसीलिए आजादी के बाद वह उन्हें प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहते थे। सन् 1920 में उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में पहले किसान मार्च का आयोजन किया। 1923 में वह अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव चुने गए। 1929 में नेहरू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर सत्र के अध्यक्ष चुने गए। नेहरू आजादी के आंदोलन के दौरान बहुत बार जेल गए। 1920 से1922 तक चले असहयोग आंदोलन के दौरान उन्हें दो बार गिरफ्तार किया गया।

नेहरू जहां गांधीवादी मार्ग से आजादी के आंदोलन के लिए लड़े वहीं उन्होंने कई बार सशस्त्र संघर्ष चलाने वाले क्रांतिकारियों का भी साथ दिया। आजाद हिन्द फौज के सेनानियों पर अंग्रेजों द्वारा चलाए गए मुकदमे में नेहरू ने क्रांतिकारियों की वकालत की। उनके प्रयासों के चलते अंग्रेजों को बहुत से क्रांतिकारियों का रिहा करना पड़ा। 27 मई, 1964 को उनका निधन हो गया.

बच्चों के चाचा नेहरू

एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में लगे पेड़-पौधों के बीच से गुजरते हुए घुमावदार रास्ते पर नेहरू जी टहल रहे थे। उनका ध्यान पौधों पर था, तभी पौधों के बीच से उन्हें एक बच्चे के रोने की आवाज आई। नेहरूजी ने आसपास देखा तो उन्हें पेड़ों के बीच एक-दो माह का बच्चा दिखाई दिया जो रो रहा था। नेहरूजी ने उसकी मां को इधर-उधर ढूंढ़ा पर वह नहीं मिली। चाचा ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरूजी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। वह बच्चे को गोद में उठाकर खिलाने लगे और वह तब तक उसके साथ रहे जब तक उसकी मां वहां नहीं आ गई। उस बच्चे को देश के प्रधानमंत्री के हाथ में देखकर उसकी मां को यकीन ही नहीं हुआ।

दूसरा वाकया जुड़ा है तमिलनाडु से,एक बार जब पंडित नेहरू तमिलनाडु के दौरे पर गए तब जिस से क से वे गुजर रहे थे वहां लोग साइकलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया वहां खड़े होकर नेहरू जी को निहारने लगा। इस भी भरे इलाके में नेहरूजी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था, ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडितजी को देखने के लिए डोल रहे हों। जैसे वे कह रहे हों हम तुम्हारा तमिलनाडु में स्वागत करते हैं। नेहरूजी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतरकर वे गुब्बारे खरीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का-सा रह गया। नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे खरीदवाए और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरू जी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज आवाज से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया. तभी से वे चाचा नेहरू के नाम से प्रसिद्ध हो गए। भारत के भारत में इस तरह के महान मानव का जन्म बहुत कम ही हो रहा है जो देश के युवाओं एव बच्चों की सोंच रखता है और इसके चहुमुखी विकास की बात करता हो।

वो लाल गुलाब

प्रो.शामलाल कौशल
रोहतक, हरियाणा

आज के बच्चे कल का भविष्य है। हंसता हुआ,मुस्कुराता हुआ भोला भाला बच्चों का चेहरा किसे पसंद नहीं होगा? बच्चों के साथ समय बिताकर,खेल कर और छोटे बच्चों को उठाकर सब तनाव दूर हो जाता है और मन में शांति मिलती है। इसी बात को लेकर हमारे देश में हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस या फिर चिल्ड्रेन डे मनाया जाता है। इस दिन बाल दिवस मनाने का मुख्य कारण स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री,पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन होना भी है। नेहरू जी के जन्मदिन को ही.. बाल दिवस...के तौर पर मनाया जाता है। हम भी अच्छी तरह जानते हैं कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू जी को देश से संबंधित कितनी कठिनाइयों तथा समस्याओं का सामना करना पड़ा होगा। गरीब जनता का कल्याण,देश का विकास, विदेशी नीति, देश की सुरक्षा, कांग्रेस के अलावा अन्य दलों के साथ संबंध,देश विभाजन के फल स्वरुप उत्पन्न समस्याएं आदि ने नेहरू जी के दिमाग के ऊपर दबाव डाला होगा। इस दबाव या तनाव से बचने के लिए उन्होंने अपने जन्मदिन को...बाल दिवस..के तौर पर मनाने का फैसला किया। उन्हें बच्चों के साथ अधिकतम समय बिताना बहुत अच्छा लगता था। बच्चों में उन्हें देश का भविष्य नजर आता था। बच्चे भी नेहरू जी को लाड प्यार से...चाचा नेहरू..कह कर पुकारते थे! वह बच्चों को अच्छी शिक्षा,अच्छे संस्कार,अच्छी खेलकूद तथा भाग दौड़ की सुविधा तथा अच्छी सोच देना चाहते थे। सबसे पहले 1954 में 14 नवंबर वाले दिन... बाल दिवस...मनाया गया। उसके बाद हर साल हमारे देश में बाल दिवस मनाया जाता है। जब नेहरू जी जीवित थे तब जगह-जगह...चिल्ड्रन पार्क...बनवाए गए। खेलने के लिए उन पार्कों में बहुत सारी सुविधाएं रखी गई। शिक्षा संस्थानों में बौद्धिक विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे। गरीब बच्चों की हर प्रकार से सहायता की जाती थी। आजकल भी पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि स्वरुप देश में हर साल 14 नवंबर को...बाल दिवस...अथवा चिल्ड्रन डे...मनाया जाता है। नेहरू जी बच्चों की तुलना लाल गुलाब से करते थे। उनका कहना था जिस तरह सब फूलों में लाल गुलाब ही सबसे ज्यादा सुंदर और मन खुश करने वाला होता है इस तरह हम मनुष्यों में भी बच्चे गुलाब की तरह सुंदर और खुश करने वाले होते हैं। नेहरू जी बच्चों के साथ समय बिताकर खुश होते थे और उनका तनाव तथा दिमाग का बोझ छूमंतर हो जाता था। पंडित नेहरू हमेशा चूड़ीदार पजामा तथा सफेद अचकन पहनते थे और अचकन की जेब के ऊपर लाल गुलाब लगाते थे। इस लाल गुलाब के कारण उन्हें ऐसा लगता था जैसे बच्चे उनके साथ हो और वह प्रसन्नचित रहने की कोशिश करते थे। उनका कहना था कि मासूम बच्चे मन के सच्चे होते हैं। अगर यह संस्कारी होंगे, बहादुर होंगे, शिक्षित तथा प्रशिक्षित होंगे, कोमल हृदय वाले होंगे तब बड़े होने पर उनके हाथों में देश का भविष्य सुरक्षित होगा।लेकिन अफसोस की बात यह है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू की तरह किसी और राजनेता ने बच्चों के साथ उतना प्रेम नहीं दिखाया, उनके कल्याण के बारे में नहीं सोचा। तभी तो आज के बच्चे पंडित नेहरू के सपनों के बच्चों की तरह नहीं है। आज के बच्चों के ऊपर पढ़ाई का बहुत ज्यादा बोझ है। उनका बस्ता उनके अपने वजन से भी ज्यादा भारी है। पढ़ाई का पाठ्यक्रम ऐसा है जिसके अनुसार उनका सारा समय स्कूल के बाद होमवर्क करने तथा ट्यूशन पर जाने में ही बीत जाता है। आज के बच्चे अपना समय मोबाइल पर लगाकर अपनी आंखें खराब करते हैं और उन्हें समय से पहले बहुत सारी बातें पता चल जाती हैं जिससे वह जल्दी मैच्योर हो जाते हैं। मोबाइल पर ही वह इंडोर गेम खेलते हैं। फुटबॉल,हॉकी,क्रिकेट,कुश्ती,भाग दौड़ करना, गुल्ली डंडा खेलने, कंचे खेलना आदि आउटडोर गेम के बारे में उनको कुछ भी पता नहीं। उनका ज्ञान किताबी ज्ञान तक ही सीमित है। उन्हें देश के स्वतंत्रता सेनानी,आध्यात्मिक पुरुषों, अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धा में पदक लाने वालों आदि का बिल्कुल पता नहीं। अधिकांश बच्चे अपने देश के इतिहास के बारे में नहीं जानते। पढ़ाई तथा मोबाइल पर ज्यादा ध्यान देने के कारण तथा कुपोषण के कारण बहुत सारे बच्चों को चश्मे लगे हुए हैं। जो बच्चों की आजकल शोचनीय स्थित है वैसी पंडित नेहरू ने कभी कल्पना नहीं की थी। यूँ औपचारिकता के तौर पर हमारे देश में हर साल पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि स्वरुप... बाल दिवस...तो जरूर मनाया जाता है परंतु बाल दिवस की भावना तथा उद्देश्य कहीं नजर नहीं आते। अधिकांश बच्चों के चेहरे उदास,तनावग्रस्त,गुस्सेवाले तथा निराश दिखाई देते हैं। अधिकांश बच्चे प्राइवेट पब्लिक स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से ही शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन्हें हिंदी की बहुत सारी बातें समझ में नहीं आती। यह भारतीय संस्कृति तथा सभ्यता का अपमान है। बाल दिवस तो साल में एक बार मनाया जाता है परंतु हमें अपने बच्चों को संस्कारी, आज्ञाकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाले, मां-बाप तथा बड़ों की इज्जत करने वाले, संयमी, कठिन परिश्रम करने वाले, देश भक्तों के बारे में जानने वाले, देश की संस्कृति को जानने वाले तथा ईमानदार बनाने की कोशिश करनी चाहिए। तभी ही सच्चे अर्थों में... बाल दिवस...मनाना सार्थक होगा।

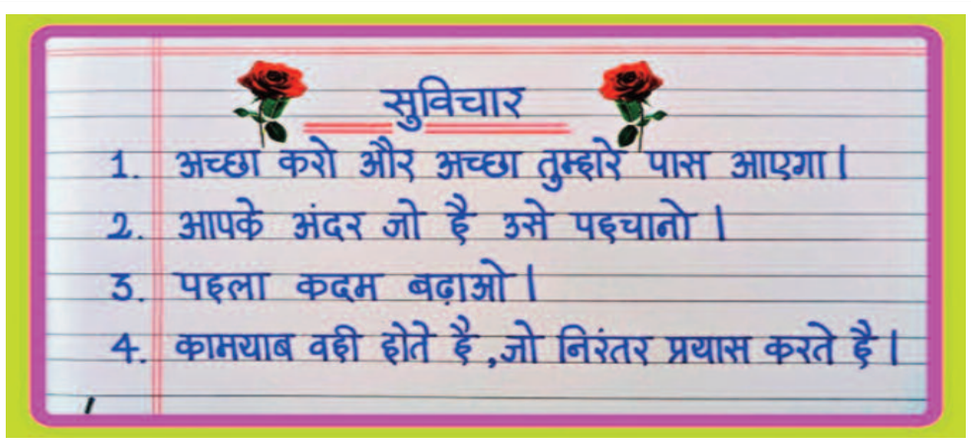

कविता

मोनिका डागा आनंद,
चेन्नई,तमिलनाडु

बाल दिवस विशेष

बाल दिवस का होगा महोत्सव विद्यालय के प्रांगण में,
झूमेंगे हम सारे मिलकर ज्ञान मंदिर के प्यारे आंगन में,
चाचा नेहरू जी ने शुरू किया हमारे लिए ये दिन प्यारा,
भूल जाते हम इस दिन पढ़ाई-लिखाई का प्रसंग सारा ।

बच्चे होते हैं मन के कोमल गुलाबों सा उनका रंग रूप,
बोली उनकी मधु सी मीठी आत्मा में बसता ईश्वर अनूप,
मत तुम उनपर इतना बोझा डालो वरना जाएंगे वो सूख,
चहल-पहल व उछल-कूद की होती उनमें ज्यादा भूख ।

बंद कर सारी कॉपी किताबें बच्चे तो भई मौजों मनाएंगे,
नहीं सुनेगें आज किसी की वो खुशियों की धुन गुनगुनाएंगे,
खेल कूद व मनोरंजन संग थोड़ा ज़ोर-शोर से होगा हंगामा,
गुरुजन संग खेलेंगे आंख-मिचौली होगा थोड़ा ज्यादा ड्रामा ।

हँसो-हँसाओं और नाचो-गाओ एक दिन सब बच्चे बन जाओ,
बचपन में जाकर फिर से बच्चों संग यादों को जीकर आओ,
ज्ञान मंदिर में आज गूंजेगी चहल-पहल आनंद किलकारी,
महक उठेगी फिर से सुन्दर रंग-बिरंगी ये प्यारी सी फुलवारी ।

बच्चों को रहने दो बच्चे वो अपने आप समय से संभल जाएँगे,
खुशी-खुशी वो ज़्यादा बेहतर आज से आने वाला कल बनाएँगे,
बच्चों पर निर्भर करता हैं किसी भी राष्ट्र का भविष्य दिव्य,
रमने दो उनमें निडरता,आत्मविश्वास व साहास के कण नित्य ।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

नई सड़क की गुणवत्ता पर सोशल मीडिया में फूटा जनाक्रोश

इंजीनियरों व नगर निगम पर उठे सवाल,राष्ट्रपति के आगमन से जोड़कर भी कर रहे लोग तीखी टिप्पणी

- गुणवत्ताविहीन सड़क निर्माण को लेकर आक्रोश,लोगों ने कहा भ्रष्टाचार की हद हो गई...
- अंबिकापुर शहर में हो रहा है सड़क निर्माण,निर्माण होते ही उखड़ रही है सड़क...
- एक दिन में ही सड़क की हालत हो रही है पहले की तरह,लोगों ने सड़क की हालत साझा की सोशल मीडिया पर...

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर में हाल ही में बन रही सड़कों की गुणवत्ता को लेकर सोशल मीडिया पर भारी नाराजगी देखने को मिल रही है, विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण कार्यों के बाद लोगों ने फेसबुक पर अनेक टिप्पणियाँ करते हुए निर्माण की गुणवत्ता, उपयोग की गई सामग्री एवं विभागीय लापरवाही को लेकर गंभीर आरोप लगाए,नागरिकों का आरोप है कि सड़क बनने के कुछ ही दिनों में ही उसकी स्थिति खराब दिखने लगी है,जिससे निर्माण कार्यों पर सवाल खड़े हो गए हैं,सबसे पहले एक यूजर ने सवाल उठाया कि टायरिंग के दौरान किस इंजीनियर की ड्यूटी थी और कार्य की निगरानी किसने की। कई लोगों ने सड़क निर्माण स्थल की पहचान स्पेस टेक्नोलॉजी रोड क्षेत्र के रूप में की और दावा किया कि निर्माण के दौरान मानकों का पालन नहीं किया गया।

बता दे की अंबिकापुर में सड़क निर्माण को लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मचा हुआ है और एक ओर शहर की खस्ताहाल सड़कें अब बनाई जा रही हैं वहीं यदि सोशल मीडिया की पोस्ट देखी जाए तो बन रही सड़कें बनते ही उखड़ जा रही हैं और वह पुनः अपने खस्ताहाल स्थिति में पहुंच जा रही हैं,सोशल मीडिया पर लोग इस पोस्ट के साथ अपनी प्रतिक्रिया भी जाहिर कर रहे हैं और लोगों का एक तरह का ही बयान देखने को मिल रहा है जिसमें वह इसे भ्रष्टाचार की हद बता रहे हैं,इन सब के बीच सड़क लगातार बन भी रही है और उखड़ भी जा रही है,अंबिकापुर में सड़को की खस्ताहालत को लेकर पिछले कुछ महीनों से नगर निगम सहित क्षेत्रीय विधायक सांसद को भी काफी कुछ आलोचना सहना पड़ा था और इन आलोचनाओं के बाद और खरी-खोटी सुनने के बाद ही उन्होंने सड़क निर्माण कार्य का निर्णय लेते हुए नगर निगम से सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान कर कार्य का शुभारंभ कराया था लेकिन जिन सड़कों को बनाया जा रहा है उसकी हालत देखकर लगता है कि सड़कें केवल कमीशन प्राप्ति और अपनी जेब भरने के लिए बनाई जा रही हैं जिसमें गुणवत्ता जैसा कोई मामला शामिल नहीं है और इस तरह के लग रहे आरोप सही है। वैसे सोशल मीडिया पोस्ट पर तरह तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं, कुछ ने इसके लिए नेताओं को जिम्मेदार बताया है वहीं कुछ ने नेताओं और अधिकारियों को दोषी बताया है वहीं ने इन सभी के साथ विपक्ष को भी जिम्मेदार बताया है और इसके लिए उनके मौन को कारण बताया है, अंबिकापुर शहर जो सरगुजा जिले का संभागीय मुख्यालय है कि सड़कें बेहद खराब हैं,सड़कों की हालत बरसात के समय तो ऐसी थीं जैसे गहरे खेतों से होकर आना जाना कर रहे हैं लोग,लोगों ने साथ ही आलोचकों ने जब लगातार इस विषय पर मुखरता दिखाई तब जाकर सड़क निर्माण कार्य आरंभ हुआ लेकिन जैसी सड़कें बन रही हैं वैसी लोगों को अपेक्षा नहीं थी जो उनके सोशल मीडिया विचारों से समझा जा सकता है।

कमीशन का खेल है,अपनी जेब भरने,नेता,अधिकारी,पक्ष,विपक्ष मौन हैं,आरोप : सड़क बनते ही उखड़ जाने के मामले में लोगों का आरोप है कि ऐसा केवल अपनी जेब भरने के लिए किया जा रहा है और इसलिए सभी मौन हैं,नेता,अधिकारी,पक्ष ,विपक्ष सभी निर्माण कार्यों में हिस्सेदार हैं बेहतर लाभ के इसलिए वह सड़क घटिया बने या अच्छी बने इसको लेकर मौन हैं,लोगों का कहना है कि जब 40 प्रतिशत तक का कमीशन निश्चित है कितनी मजबूत सड़क बन सकेगी समझा जा सकता है,लोगों का आक्रोश सोशल मीडिया में खुलकर सामने नजर आ रहा है बावजूद इसके नेताओं,अधिकारियों का कोई बयान या घटिया निर्माण को लेकर कोई कार्यवाही सामने नहीं आ रही है जिससे लोगों के आरोप सही लगने लगे हैं। वैसे जनता सोशल मीडिया में जिस तरह आक्रोशित है, नाराज है इसका असर नेताओं की छवि और उनकी लोकप्रियता पर जरूर पड़ेगा यह तय है।

नेताओं पर भी तंज : निर्माण को लेकर लोगों ने नेताओं और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को भी निशाने पर लिया। एक यूजर ने टिप्पणी की– 'जैसा नेता होगा, वैसी ही सड़कें बनेंगी! गुणवत्ताविहीन नेता व सड़कें' दूसरों ने भी जनप्रतिनिधियों से सवाल पूछते हुए कहा कि सड़क निर्माण में जनता की आवाज को अनदेखा किया जा रहा है।

इमल्शन का कम उपयोग नई सड़कों के उखड़ने का कारण,आरोप

अंबिकापुर शहर में नई बन रही सड़कें बनते ही उखड़ जा रही हैं यह आरोप भी लग रहे हैं और ऐसा देखने से भी समझ में आ रहा है,नई सड़क बनते ही क्यों उखड़ जा रही है इसके पीछे की वजह भी शहर के लोगों द्वारा बताई जा रही है,कुछ जानकार लोगों का कहना है सड़क निर्माण में सबसे बड़ी खामी जो है वह है इमल्शन का निर्माण के दौरान कम उपयोग,इमल्शन ही जानकारों के अनुसार सड़क में बिछाए जाने वाले पदार्थों को आपस में जोड़ने का और खासकर निचले हिस्से से सड़क के काम करता है,निर्माण के दौरान इम्यूल्शन का उपयोग नहीं किया जा रहा है अच्छी तरह इसलिए सड़क बनते ही उखड़ जा रही है ऐसा जानकारों का कहना है,जानकारों के अनुसार यह सबसे बड़ी चोरी है जो भ्रष्टाचार है स्पष्ट जिसके कारण सड़क एक दिन में ही उखड़ जा रही है।

बिना साफ-सफाई किए ही डामरीकरण सड़क उखड़ने की एक वजह,जानकार

जानकारों के अनुसार सड़क बनते ही उखड़ जाने की एक वजह यह भी है कि सड़क जिन जगहों या पुराने मार्गों पर बनाई जा रही है उन सड़कों जगहों की सफाई नहीं की जा रही है,यदि सड़क में डामरीकरण कार्य के पूर्व बेहतर साफ सफाई की जाए सड़क के निचले हिस्से से डामर युक्त सड़क निर्माण सामग्री चिपकेगी और सड़क मजबूत होगी,जानकारों के अनुसार यह चोरी भी पैसे बचाने की जाती है जिससे निर्माण एजेंसी को अतिरिक्त लाभ प्राप्त होता है।

राष्ट्रपति के आगमन से जोड़कर उठाए सवाल

कुछ टिप्पणियों में आगामी 20 नवंबर को राष्ट्रपति के संभावित आगमन को लेकर भी नाराजगी जाहिर की गई। लोगों का कहना है कि केवल दिखावे के लिए जल्दबाजी में सड़कें बनाई जा रही हैं। एक यूजर ने लिखा–'लीपा-पोती चल रहा है,राष्ट्रपति आ रही है उसके लिए।' दूसरे ने आरोप लगाया कि सिर्फ राष्ट्रपति के रूट वाली सड़कें सुधारी जा रही हैं,जबकि बाकी शहर की सड़कें जस की तस खराब पड़ी हैं। कमीशनखोरी का मुद्दा फिर उठा- कई लोगों ने विभागीय भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी पर भी खुलकर आरोप लगाए।

एक यूजर ने लिखा...

'सब मिलाकर 40% पैसा कमीशन में चला जाता है ठेकेदार बेईमान नहीं,पूरा विभाग का कमीशन बंधा होता है।' कुछ नागरिकों ने सुझाव दिया कि निर्माण कार्यों की जांच आरटीआई के माध्यम से कराई जानी चाहिए और इंजीनियरों से जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

जनता का फूटा गुस्सा... एक यूजर ने लिखा

लंबे समय से शहर सड़क विहीन रहा, अब देर से जागे हैं,वह भी सिर्फ बजरी बिछाकर ना डामर दिख रहा, ना बुलडोजर। ऐसे में जनता गाली न दे तो क्या करे?' कई लोगों ने यह भी शिकायत की कि सड़क निर्माण के बाद धूल उड़ रही है और सड़कें केवल 2-3 वर्ष के लिए ही बनाई जा रही हैं।

जांच की मांग तेज...

लगातार बढ़ रहे जन आक्रोश को देखते हुए लोग नगर निगम और संबंधित विभाग से निर्माण की गुणवत्ता की जांच, जिम्मेदार इंजीनियरों की पहचान और कार्य में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं।

गुलाब कॉलोनी में शासकीय आवासों को तोडने की प्रक्रिया शुरू,15 दिन में खाली करने का आदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गुलाब कॉलोनी में शासकीय आवासों को तोडने की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है। राजस्व अमले की मौजूदगी में तीन खाली शासकीय मकानों को जेसीबी से तोड़ा गया। गुलाब कॉलोनी में कुल 13 शासकीय मकान हैं,जिनमें से तीन पूरी तरह से खाली हैं। इन मकानों को तोडने का काम जिला न्यायालय भवन निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है। गुलाब कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारी परिवारों का कहना है कि वे वर्षों से यहां रह रहे हैं और हाल ही में दीपावली के समय इन आवासों का रंग-रोगन और मरम्मत का काम किया था। अब अचानक मकान खाली करने के लिए दिए गए समय को वे पर्याप्त नहीं मानते। इन कर्मचारियों का कहना है कि बच्चों को स्कूल भेजने और रोजमर्रा के कामों के बीच किराए के मकान की खोज करना उनके लिए कठिन हो गया है। राजस्व अमले के अनुसार, गुलाब कॉलोनी का निर्माण 1982-83 में हुआ था और तब से कई शासकीय कर्मचारियों,जिनमें न्यायिक अधिकारी भी शामिल हैं, को इन आवासों का लाभ मिला है। हालांकि, कॉलोनी के पास नजुल भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से मकान बना लिया था। इनमें से कुछ लोग उच्च न्यायालय से स्टे आदेश प्राप्त कर चुके हैं और उनका मामला अभी अदालत में लंबित है। इस बीच, गुलाब कॉलोनी के नए न्यायालय भवन के निर्माण को लेकर अधिवक्ताओं ने विरोध जताया था। कलेक्टर ने शहर से करीब 8 किलोमीटर दूर चठिरमा में भूमि आवंटित की थी, लेकिन अधिवक्ताओं का मानना था कि नया न्यायालय भवन गुलाब कॉलोनी में ही बने। इस मुद्दे पर अधिवक्ता 5 दिनों तक आंदोलनरत रहे। 11 नवंबर को मुख्य न्यायाधीश ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया और कलेक्टर से दूरभाष पर बात करके गुलाब कॉलोनी को 15 दिनों के भीतर खाली करने का आदेश दिया। इसके बाद राजस्व अमला बिना किसी देरी के कार्रवाई में जुट गया और शासकीय मकानों को तोडने का काम शुरू कर दिया। अब, इस आदेश के बाद गुलाब कॉलोनी में रहने वाले परिवारों के लिए अगले 15 दिन बेहद अहम होंगे, क्योंकि उन्हें जल्द से जल्द मकान खाली करने का काम करना होगा।

भारत की संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे आदर्शों पर आधारित है:पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रवादी प्रखर वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने गत दिवस देर शाम को पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम,अंबिकापुर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक संस्कृति है,जो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे सार्वभौमिक आदर्शों पर आधारित है। यह संस्कृति केवल पूजा-पद्धति नहीं,बल्कि जीवन जीने की कला और समाज को जोड़ने का विज्ञान है।

उन्होंने अपने तीखे और प्रभावशाली अंदाज़ में कहा कि आज सनातन परंपरा पर योजनाबद्ध प्रहार किए जा रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि जो सनातन को तोड़ना चाहते हैं, वे भारत की आत्मा को तोड़ना चाहते हैं। जो राम को नकारते हैं, वे भारत के अस्तित्व को नकारते हैं।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि भारत का युवा आज तकनीक से संपन्न है, लेकिन उसे अपनी जड़ों से जुड़ा रहना होगा। हमें यह जानना होगा कि हमारी सभ्यता, परंपरा और संस्कृति क्या है – और हमें अपने ज्ञान का उपयोग 'देश के निर्माण' में करना है,न कि 'संस्कृति के विनाश' में।

श्री कुलश्रेष्ठ ने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद सत्ता या भूगोल से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना से उत्पन्न होता है। जब तक यह चेतना जीवित है, तब तक भारत अमर रहेगा।

उन्होंने कहा कि भारत में धर्म का अर्थ संकीर्णता नहीं, बल्कि कर्तव्य और मर्यादा है। हमारे ग्रंथों ने कभी किसी पर वर्चस्व की भावना नहीं रखी–उन्होंने पूरे विश्व के कल्याण की कामना की।

अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने कहा कि आज कुछ शक्तियाँ भारतीय संस्कृति को पिछड़ा बताने का षड्यंत्र कर रही हैं,जबकि सत्य यह है कि भारत की संस्कृति ही विश्व को दिशा देने वाली है। जो भारत को समझना चाहता है,उसे भारत के ऋषियों, वेदों और परंपराओं को समझना होगा।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं है,बल्कि आत्मसम्मान और सांस्कृतिक स्वतंत्रता है। जब भारत अपनी जड़ों से जुड़ा रहेगा, तभी वह विश्वगुरु बनेगा।

कार्यक्रम का आयोजन लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना ट्रस्ट, अंबिकापुर द्वारा किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष शैलेश सिंह शैलू ने बताया कि श्री कुलश्रेष्ठ जी ने सुबह गणपति धाम हाथी पखना में पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया, तत्पश्चात माँ महामाया मंदिर में दर्शन किए और फिर सरस्वती महाविद्यालय में भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रभक्ति विषय पर छात्रों को प्रेरणादायी संबोधन दिया। इस अवसर पर आयोजन समिति द्वारा श्री कुलश्रेष्ठ को शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र सिंह टुटेजा नीटू ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष शैलेश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांसद,विधायक,महापौर,जनप्रतिधि तथा आयोजन समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया के साथ नीलेश सिंह , जितेंद्र सोनी, अनीश सिंह सहित नगर के प्रबुद्धजन, और सभी वर्ग के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सरगुजा में पहली बार आयोजित होगी राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता,प्रदेशभर के 400 से अधिक खिलाड़ी दिखाएंगे अपना दम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन सरगुजा एवं नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में सरगुजा जिले में पहली बार राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 15 से 16 नवम्बर तक माउंट लिट्रा स्कूल,संजयनगर,में आयोजित होगी। इस राज्य स्तरीय आयोजन में छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न जिलों से 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेने आ रहे हैं, जो अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिले में नेटबॉल का यह पहला बड़ा आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन से जिले में खेल के प्रति नई ऊर्जा, उत्साह और जागरूकता का संचार होगा तथा आने वाले समय में सरगुजा से और अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। पूर्व में भी सरगुजा जिले से कई खिलाड़ी नेट बॉल में मेडल हासिल कर जिले का नाम रोशन किए हैं इस प्रकार के प्रतियोगिता से यहां की प्रतिभा और निखरकर सामने आएगी।

जनजातियों के हक के लिए बिरसा मुंडा का संघर्ष आज भी प्रेरणादायक : सांसद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जनजातीय जिला सरगुजा के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंबिकापुर इकाई द्वारा माता राजमोहिनी सभागार में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 'हमर बिरसा हमर गौरव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कायक्रम में सरगुजा लोकसभा के सांसद चिंतामणी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। परिषद के वक्ता पलाश पांडे और नगर मंत्री सत्येंद्र मिश्रा भी मंच पर मौजूद थे। सांसद चिंतामणी महाराज ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि बिना किसी संचार माध्यम के, सिर्फ अपनी आत्मीय शक्ति से उन्होंने जनजातीय समाज को एकजुट किया और अंग्रेजों से संघर्ष किया। उन्होंने बताया कि बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अपने प्राणों की आहुति दे दी, लेकिन जनजातियों के हक के लिए उनका संघर्ष आज भी प्रेरणादायक है। वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा को जनजातीय समाज के ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण समाज के नायक के रूप में प्रस्तुत किया। परिषद के वक्ता पलाश पांडे ने कहा कि विद्यार्थी परिषद हर साल 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाती है और उनके आदर्शों को अपनाती है। नगर मंत्री सत्येंद्र मिश्रा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के विचारों को आत्मसात करते हुए हमें समाज में व्याप्त भेदभाव को मिटाने की दिशा में काम करना चाहिए। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न महाविद्यालयों, छात्रावासों और संस्थानों के विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में जनजातीय छात्र उपस्थित रहे।

डॉ. आर.एस. सिंह बने छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी संघ के प्रांतीय महासचिव

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ, पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा अधिकारी-कर्मचारी फैडरेशन के संयोजक डॉ. आर.एस. सिंह को छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी संघ का प्रांतीय महासचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा होते ही स्वास्थ्य अमले में खुशी की लहर दौड़ गई है। विभागीय कर्मचारियों ने इसे स्वास्थ्य व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव और मजबूत नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। डॉ. सिंह पिछले लंबे समय से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। उनकी गिनती अनुभवी,संवेदनशील और परिणाम-उन्मुख चिकित्सकों में होती है। सूरजपुर जिले में पदस्थापना के दौरान उन्होंने मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और जनजागरूकता अभियानों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई। कोविड-19 महामारी के समय उनकी रणनीतियों और नेतृत्व में महती भूमिका निभाई थी।

सील बट्टा मारकर पत्नी ने की थी हत्या,सूटकेस हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

-संवाददाता-
जशपुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में 9 नवंबर को सूटकेस में मिले शव मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। इस जघन्य वारदात को अंजाम देने वाली मृतक की पत्नी मंगरीता भगत (40 वर्ष) को पुलिस ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के मनमाड़ जंक्शन से गिरफ्तार किया है। पूरा मामला दुलदुला क्षेत्र के ग्राम भिंजपुर का है। जानकारी के अनुसार,9 नवंबर को ग्राम भिंजपुर स्थित घर में संतोष भगत की लाश एक सूटकेस में मिली थी। इस मामले में मृतक के भाई विनोद भगत की रिपोर्ट पर थाना दुलदुला में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत अपराध दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने मृतक की पत्नी मंगरीता भगत को ही हत्या का आरोपी पाया,जो घटना के बाद फरार हो गई थी। शशि मोहन सिंह के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। मुखबिर और तकनीकी जांच के आधार पर पता चला कि आरोपिया पूर्व में मुंबई में काम करती थी और फरारी के दौरान महाराष्ट्र भाग गई है। पुलिस टीम ने जीआरपी एसपी श्वेता सिन्हा, डीएसपी अख्तर और आरपीएफ पुलिस की मदद से मनमाड़ रेलवे स्टेशन से मंगरीता भगत को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपिया ने बताया कि उसके और पति के बीच चरित्र संबंधी विवाद को लेकर झगड़ा होता रहता था। घटना के दिन भी इसी बात पर बहस के दौरान उसने घर में रखे सील बट्टे (पीसने की पाटी) से पति के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद शव को सूटकेस में भरकर घर में ही छिपा दिया और दूसरे दिन फरार हो गई। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त सील बट्टे को बरामद कर लिया है। आरोपिया ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि पति की हत्या कर फरार हुई आरोपिया पत्नी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस टीम ने जीआरपी रायपुर व आरपीएफ के सहयोग से इस मामले का सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया है।

लायंस क्लब द्वारा बृहद निःशुल्क डायबिटीज परीक्षण शिविर

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
विश्व डायबिटीज दिवस के अवसर पर लायंस क्लब अम्बिकापुर सरगुजा एव एस.आर.एस. हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 14 नवम्बर को निशुल्क बृहद डायबिटीज परीक्षण, परामर्श का आयोजन एस. आर. एस. हॉस्पिटल में हॉस्पिटल रोड अम्बिकापुर में सुबह 10 बजे से किया गया है। अधिक से अधिक लोग शिविर का लाभ उठाने हेतु क्लब द्वारा निवेदन कीया गया है।

फर्जी डीएसपी बनकर नौकरी लगवाने के नाम पर बहत्तर लाख रुपए लेने वाले आरोपी को पुलिस ने भेजा सलाखों के पीछे

-संवाददाता-
कुसमी,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी पुलिस ने जे सी बी आपरेटर से फर्जी डी एस पी बनकर पीड़िता से नौकरी लगवाने के नाम से बहत्तर हजार रुपए ठगी कर लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 92/2025, धारा 318(2), 319(2), 336(3), 340 बी. एन एस. कार्यवाही कर आरोपी संतोष कुमार पटेल पिता रविनाथ पटेल उम्र 29 वर्ष सा0 पड़खुरी पचोखर थाना चुरहट जिला सीथी मध्यप्रदेश को भेजा सलाखों के पीछे। जानकारी के अनुसार आरोपी ने प्राथीया को अपने विश्वास में लेकर अपने आप को पुलिस अधिकारी बताकर, पीड़िता के बच्चों को पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर 7200000/- (बहत्तर लाख रूपये) की ठगी फर्जी डीएसपी बताकर आरोपी संतोष कुमार पटेल के द्वारा की गई थी,आरोपी ए साई कंपनी में आपरेटर के पद पर कार्य करता था , आरोपी संतोष कुमार पटेल,पिता रविनाथ पटेल उम्र 29 वर्ष सा0 पड़खुरी पचोखर थाना चुरहट जिला सीथी मध्यप्रदेश जो वर्ष 2016 में ए. साई कंपनी के द्वारा सामरी, जलजली एवं श्रीकोट के पेटी में रोड निर्माण का काम लिया था, जिसका रोड निर्माण का काम चल रहा था। ए.साई कंपनी में आरोपी जे.सी.बी. ऑपरेटर का काम करता था। वर्ष 2016-2017 में जब सामरी जलजली रोड बन रहा था उस समय ए. साई. कपनी को कैंप कुसमी सामरी रोड में ग्राम गजाधरपुर के पास लगा था। वही पर कैंप लगा कर सभी ड्राईवर हेल्फर लोग रहते थे। कैंप से लगा हुआ जंगल में ग्राम कंजिया निवासी ललकी बाई बकरी चराने आती थी। उसी समय सन् 2016-2017 जान पहचान हुआ। तब आरोपी संतोष कुमार पटेल अपना मोबाइल नंबर 9302084236 ललकी बाई को दिया था और ललकी बाई का मोबाइल नंबर-6260528735 में बातचीत करता था। प्रार्थिया ललकी बाई से बात करते करते अपने विश्वास में बातचीत करते रहता था। सामरी,जलजली एवं श्रीकोट रोड निर्माण कार्य के दौरान सन् 2016 से 2021 तक आरोपी संतोष कुमार पटेल जे. सी. बी. ऑपरेटर का काम किया। उसके बाद अपने घर ग्राम पड़खुडी चला गया। घर जाने के बाद आरोपी ललकी बाई को बोला कि मेरा म.प्र. पुलिस में डी.एस.पी का नौकरी लग गया है। तुम्हारा दोनों बच्चों का पुलिस में अच्छे पद पर नौकरी लगा दूंगा पर पैसा लगेगा। मेरा भी पैसा देकर नौकरी लगवाया हूं। झूठ बोलकर आरोपी के द्वारा प्रार्थिया ललकी बाई को अपने यूनियन बैंक के खाता क्रमांक 396202010055766 में उसके खाता नंबर से एवं आरोपी के संतोष कुमार पटेल अपने मोबाइल नंबर 9302084236 में फोन पे के माध्यम से वर्ष 2018 से वर्ष 2025 तक विभिन्न किस्तों में झूठ बोलकर ललकी बाई के बच्चों को नौकरी लगवाने एव पत्नी का तबियत,कभी बहन का तबियत खराब है बोलकर रूपये पैसे की माग कर कुल 7200000/- रूपये की ठगी किया गया है। मामले में थाना कुसमी को शिकायत प्राप्त होने पर थाना कुसमी में धारा 318(2),319(2),336(3),340 बी. एन एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लेकर विवेचना कार्यवही के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कुसमी ईम्मानुएल लकडा अनुभाग कुसमी के कुशल मार्गदर्शन में थाना कुसमी से टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी हेतु मध्यप्रदेश रवाना किया गया। टेक्निकल जानकारी के आधार पर आरोपी संतोष कुमार पटेल पिता रविनाथ पटेल उम्र 29 वर्ष सा0 पड़खुरी पचोखर थाना चुरहट जिला सीथी मध्यप्रदेश को हिरासत में लेकर पूछताछ करने द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार करने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,अंबिकापुर में 'यूथ डायलॉग सीरीज़' के अंतर्गत प्रेरणादायक सत्र का आयोजन

भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट ऋषभ गुप्ता ने विद्यार्थियों से करियर, अनुशासन और आत्मविकास पर की बातचीत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,अंबिकापुर में 'यूथ डायलॉग सीरीज़' के अंतर्गत एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के सोशल इनोवेशन एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट सेल और मुहिम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस अवसर पर भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट ऋषभ गुप्ता मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अपने जीवन के अनुशासन,समर्पण और संघर्ष के अनुभव साझा किए तथा युवाओं को अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहने और सकारात्मक सोच बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को करियर योजना, परीक्षा की तैयारी और व्यक्तित्व विकास से संबंधित व्यावहारिक सुझाव दिए। साथ ही उन्होंने युवाओं से कहा कि वे इंटरनेट और एआई टूल्स का रचनात्मक उपयोग करें, नए अवसरों की खोज करें और एक-दूसरे से सीखने की संस्कृति विकसित करें। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे साथियों का चयन करने,टीमवर्क को बढ़ावा देने और सीखने की मानसिकता बनाए रखने की भी सलाह दी। लेफ्टिनेंट ऋषभ गुप्ता सरगुजा जिले के बतोली ब्लॉक के मूल निवासी हैं एवं वर्तमान में भारतीय नौसेना में मुंबई में पदस्थ हैं। वे सैनिक स्कूल अंबिकापुर के पूर्व छात्र हैं।

उनकी उपस्थिति से विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र से एक युवा अधिकारी से संवाद और प्रेरणा लेने का एक विशेष अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रो. अनिल सिन्हा,आईक्यूएसी समन्वयक,डॉ. दीपक सिंह,परीक्षा नियंत्रक एवं सोशल इनोवेशन एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट सेल के संयोजक; ले. पंकज कुमार अहिरवार,एनसीसी समन्वयक तथा ऋषिकेश ठाकुर, मुहिम फाउंडेशन के संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन एक जीवंत प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने ले. गुप्ता से उत्साहपूर्वक बातचीत की और अपने विचार एवं आकांक्षाएँ साझा कीं। छात्रों में उनके व्यक्तित्व विकास और रचनात्मक गतिविधियों के अंतर्गत यह कार्यक्रम महाविद्यालय में आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के एनसीसी, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं अन्य छात्रों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 'एकता पदयात्रा' का आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी सरगुजा द्वारा भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर भव्य 'एकता पदयात्रा' का आयोजन किया गया। यह ऐतिहासिक पदयात्रा सांसद चिंतामणि महाराज के नेतृत्व में और भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की उपस्थिति में अंबिकापुर से परसा तक निकाली गई। पदयात्रा का शुभारंभ राम मंदिर प्रांगण, अंबिकापुर से हुआ, जहां भाजपा पदाधिकारी,कार्यकर्ता,छात्र-छात्राएँ और बड़ी संख्या में आमजन श्रद्धा और उत्साह के साथ उपस्थित हुए। यात्रा मल्टीपरपज स्कूल मैदान से होकर शंकर घाट स्थित शिव मंदिर पहुँची, जहाँ शिव के दर्शन करने के बाद स्वच्छता अभियान चलाया गया। मार्ग में शासकीय माध्यमिक शाला असोला में आमसभा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सांसद चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल न केवल एक राजनेता थे,बल्कि उन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपूर्व योगदान दिया। उन्होंने भारत की 562 रियासतों को एक सूत्र में बांधने के लिए कठिन संघर्ष किया, चाहे वह जूनागढ़, हैदराबाद या जम्मू-कश्मीर हो। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन त्याग और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक था। उन्होंने गांधीजी के सिद्धांतों को अपनाकर भारत के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत किया।

स्वर्णकार वेल्फेयर एसोसिएशन,स्वर्णकार समाज एवं सराफा एसोसिएशन ने सरगुजा आईजी को किया सम्मानित

राजेश ज्वेलर्स रामानुजगंज में हुए लूट कांड में डकैतों को आजीवन कारावास की सजा दिलवाने में बलरामपुर पुलिस की कार्यवाही की सराहना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राजेश ज्वेलर्स रामानुजगंज में विगत वर्ष 2024 सितंबर में दिन दहाड़े हुई सबसे बड़ी डकैती के आरोपियों को रामानुजगंज और बलरामपुर पुलिस ने पुलिस महानिरीक्षक के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के द्वारा तत्परता से सभी डकैती के आरोपियों को गिरफ्तार करने एवं डकैती किए गए समान की जप्त कर न्यायालय में तत्काल चलान पेश कर न्यायालय की सम्पूर्ण कार्यवाही में तत्परता दिखाते हुए लगभग 14 माह में न्यायालय द्वारा सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दिलवाने में रामानुजगंज,बलरामपुर पुलिस और पुलिस अधीक्षक बलरामपुर, सरगुजा आईजी महोदय का सम्पूर्ण सहयोग रहा और तत्परता से सभी आरोपियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया गया उक्त डकैती कांड में तत्काल मिले न्याय से समस्त स्वर्णकार समाज में अत्यंत हर्ष का माहौल है,इसी तत्वाधान में स्वर्णकार वेलफेयर छत्तीसगढ़, सरगुजा स्वर्णकार समाज,एवं सराफा एसोसिएशन सरगुजा के पदाधिकारियो के द्वारा सरगुजा के आई जी श्री दीपक कुमार झा से मिलकर बलरामपुर पुलिस के द्वारा की गई कार्यवाही की सराहना की गई तथा साल,श्रीफल से सम्मानित कर आभार व्यक्त किया गया। सरगुजा आई जी से मिलने वालों में स्वर्णकार वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ डी के सोनी, उपाध्यक्ष राजेश सोनी,कोषाध्यक्ष अखिलेश सोनी, सरगुजा स्वर्णकार समाज के सचिव निलेश सोनी, उपाध्यक्ष श्री गोप सोनी,शालिग्राम सोनी,दीपक सोनी,नवनीत सोनी, तथा सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजेश सोनी हरिओम, हैप्पी सोनी, राजेश सोनी गहना ज्वेलर्स, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राजपुर बीच सड़क में रोड बनने को लेकर नगरवासियों ने सांसद,कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
राजपुर,13 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर नगर पंचायत एनएच 343 बीच सेंटर से सड़क बनाने की मांग को लेकर नगरवासियों ने सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज,बलरामपुर कलेक्टर, सरगुजा एनएच 343 के कार्यपालन अभियंता के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। नगरवासियों ने ज्ञापन में बताया है कि राजपुर नगर पंचायत एनएच 343 सड़क निर्माण को बीच सेंटर से बनाया जाए। जिससे नगर पंचायत के व्यापारी अपना अपना व्यापार कर सके। नगर वासियों के द्वारा दिए गए आवेदन में बताया है कि नगर पंचायत सड़क के कुछ स्थानों पर एनएच 343 के द्वारा चुना से एक साइड मार्किंग कर दिए हैं जिसके कारण बहुत से व्यापारी प्रभावित हो रहे हैं। समस्याओं को देखते हुए व्यापारीयो ने दिया आवेदन, नगर के व्यापारियों की समस्याओं को देखते हुए नगर पंचायत में सड़क निर्माण बीच सेंटर से कराने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष धरम सिंह, अनिल सोनी, मखन लाल अग्रवाल, दीपक मित्तल, विकास बंसल, छोटन गुप्ता, राहुल बंसल, सतीश अग्रवाल, रजत केशरी, बंटी अग्रवाल, अजय अग्रवाल, मुकेश कुमार, विशाल अग्रवाल, अहमद राजा, अनूप पैकरा आदि शामिल रहे। कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा ने कहा कि एसडीएम और एनएच वाले को बोलता हूं सड़क बीच सेंटर से बनाने को। पूछने पर एसडीएम देवेंद्र कुमार प्रधान ने नगरवासियों को आश्वासन देते हुए कहा कि एनएच वाले से बात कर नगर में सड़क बीच सेंटर से बनवाया जाएगा।

व्यापार समाचार

मूडीज ने 2025 में भारत की जीडीपी सात फीसदी 2026 में 6.5 फीसदी रहने का जताया अनुमान

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2025।

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने गुरुवार को भारत की आर्थिक वृद्धि दर (जीडीपी) 2025 में सात फीसदी और अगले वर्ष 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। भारत के लिए वास्तविक जीडीपी आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित होती है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपने 'ग्लोबल मैक्रो आउटलुक' में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक अनुमान जताए हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश की विकास दर 2025 में 7 फीसदी और 2026 में 6.5 फीसदी रहने की संभावना है। मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि को मजबूत बुनियादी ढांचे पर खर्च एवं ठोस उपभोग से समर्थन मिल रहा है। हालांकि, निजी क्षेत्र व्यवसायिक पूंजीगत व्यय को लेकर सतर्क बना हुआ है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने उम्मीद जताई है कि 2026 और 2027 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी के आसपास बढ़ती रहेगी, जिसे कम मुद्रास्फीति के बीच तटस्थ-से-उदार मौद्रिक नीति रुख का समर्थन प्राप्त होगा। एजेंसी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि भारत जी-20 देशों के सदस्यों में से सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यह वर्ष 2027 तक 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगा जिसे घरेलू एवं निर्यात विविधीकरण का समर्थन प्राप्त मिलेगा। कैलेंडर वर्ष 2025 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर सात फीसदी रहने का अनुमान है, जो 2024 के 6.7 फीसदी से अधिक है। मूडीज ने चीन के लिए अनुमान लगाया है कि 2025 उसकी में अर्थव्यवस्था पांच फीसदी बढ़ेगी। जिसे सरकारी प्रोत्साहन और मजबूत निर्यात का समर्थन प्राप्त होगा। 2027 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि धीरे-धीरे घटकर 4.2 फीसदी हो सकती है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर जीडीपी की वृद्धि दर 2026 और 2027 में 2.5 एवं 2.6 फीसदी के बीच रहने का अनुमान है, जो 2025 के 2.6 फीसदी और 2024 के 2.9 फीसदी से कम है।

भारत-कनाडा ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2025। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के निर्यात संवर्धन,अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा आर्थिक विकास मंत्री मनिंदर सिद्धू ने गुरुवार को नई दिल्ली में व्यापार और निवेश पर 7वें भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद (एमडीटीआई) की सह-अध्यक्षता की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को आगे बढ़ाने के अवसर तलाशने के लिए सिद्धू भारत में हैं। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि नए रोडमैप 2025 के हिस्से के रूप में व्यापार और निवेश पर 7वीं भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय वार्ता की सह-अध्यक्षता करना खुशी की बात थी। गोयल ने कहा कि कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने, निवेश को बढ़ावा देने और हमारे देशों के बीच सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की गई।

अदाणी पोर्ट बना टीएनएफडी का सदस्य,प्रकृति आधारित रिपोर्टिंग शुरू करने का लिया संकल्प

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2025।

गुजरात के कच्छ जिले के मुंद्रा स्थित अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईज़ेड) अब टास्कफोर्स ऑन नेचर-रिलेटेड फाइनेंशियल डिस्क्लोज़र्स (टीएनएफडी) की आधिकारिक सदस्य बन गई है। इस पहल के तहत कंपनी प्राकृतिक संसाधनों पर अपने प्रभाव, जोखिमों और अवसरों की रिपोर्ट टीएनएफडी फ्रेमवर्क के अनुरूप तैयार करेगी। इस प्रकार, एपीएसईज़ेड देश की ऐसी पहली इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी बन गई है, जिसने पर्यावरण हितैषी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए एक नया मानक तय किया है। यह जानकारी एपीएसईज़ेड ने अपनी विज्ञप्ति में दी। इसमें बताया गया कि टीएनएफडी एक वैश्विक और विज्ञान-केंद्रित पहल है, जिसे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वित्त पहल (यूएनईपी एफआई), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और ग्लोबल कैनोपी जैसी संस्थाओं ने साथ मिलकर शुरू किया है। इसका उद्देश्य कंपनियों को यह समझाने में मदद करना है कि वे प्रकृति से जुड़े जोखिमों, प्रभावों और अवसरों की पहचान, मूल्यांकन और प्रबंधन कैसे करें। एपीएसईज़ेड अब उन चुनिंदा वैश्विक पोर्ट ऑपरेटर्स की सूची में शामिल हो गया है, जो जैव विविधता को बढ़ावा देने और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कदम एपीएसईज़ेड के प्रकृति-समर्थक व्यावसायिक दृष्टिकोण को और मजबूत बनाता है और इसे टिकाऊ समुद्री लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर स्थापित करता है। इस अवसर पर एपीएसईज़ेड के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्वनी गुप्ता ने कहा , हम दृढ़ता से मानते हैं कि जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाएँ ही दीर्घकालिक सफलता की नींव हैं। टीएनएफडी फ्रेमवर्क को अपनाना, कॉप-30 में प्रकृति से जुड़ी कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग के प्रति हमारे समर्थन को दर्शाता है।

जमीन महाविद्यालय की चिंता किसी और की...?

जिन्हें लड़ना था, वे देखते रहे, जिन्हें लड़ना नहीं था,वे अदालत पहुँचे...

महाविद्यालय की जमीन पर निर्माण और जिम्मेदारों की चुप्पी...

हाईकोर्ट ने कॉलेज भूमि विवाद पर जनहित याचिका खारिज की,सुरक्षा राशि भी जब्त...

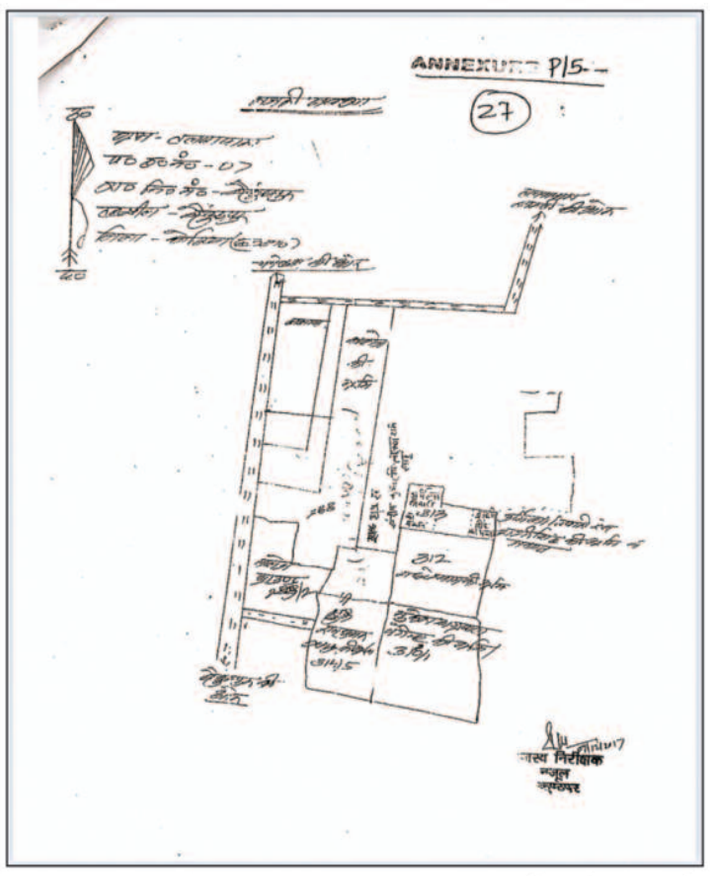

महाविद्यालय के इतिहास में छिपा सच–यह जमीन पहले से ही महाविद्यालय को देने की प्रक्रिया में थी...

- 05 सितंबर 1982: महाविद्यालय की स्थापना
- 1986-87 महाविद्यालय के नाम पर भूमि स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू
- 1995-99 महाविद्यालय का संचालन इन भवनों में जारी
- पुराने भवन की कई बार मरम्मत महाविद्यालय निधि से
- यह भवन महाविद्यालय की परिसंपत्ति के रूप में उपयोग में आता रहा तो फिर ऐसी जमीन को आज एसपी ऑफिस बनाने के लिए कैसे दे दिया गया?

क्या प्रशासन की मजबूरी थी या जिद?

- छात्र संगठनों (एबीवीपी सहित) ने विरोध किया
- महाविद्यालय प्रबंधन ने आपत्ति दी
- विपक्ष ने मुद्दा उठाया
- सामाजिक संगठनों ने भी कहा कि यह गलत है
- यहां तक कि पूर्व मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय सांसद ने भी आपत्ति की फिर भी जिला प्रशासन... फैसला नहीं बदलेगा के रुख पर अड़ा रहा, तो क्या यह जिद थी या मजबूरी?

-रवि सिंह-
कोरिया,13 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जमीन थोड़ी थी पर भविष्य बड़ा था...मगर जिस महाविद्यालय को अपनी भूमि बचाने के लिए स्वयं आगे खड़ा होना चाहिए था, वही अपनी आंखों के सामने उस पर कब्जा होता देख मूक दर्शक बन गया, यह सवाल अब जिले में शिक्षा जगत और समाज के बीच गंभीर चर्चा का विषय बन गया है, शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय,जो पिछले 46 वर्षों से कोरिया जिले का अग्रणी उच्च शिक्षा केंद्र रहा है, आज अपनी ही भूमि के एक हिस्से पर दूसरे विभाग का निर्माण होते देख रहा है। यह वही भूमि है,जो आगे चलकर शिक्षा का हब बन सकती थी,लेकिन इसे पुलिस विभाग को आवंटित कर दिया गया वह भी कॉलेज से किसी तरह की स्पष्ट अनापत्ति लिए बिना। कुछ दिनों तक विरोध हुआ, आवाज उठीं,लेकिन समय के साथ विरोध शांत हो गया,जो विरोध करना चाहिए था, जो याचिका दायर करनी चाहिए थी वह महाविद्यालय ने नहीं किया। समाज का एक संगठन आगे आया,जनहित याचिका दायर की, पर उसे भी न्याय नहीं मिला।

बता दे की जिन्हें अपने महाविद्यालय की जमीन बचाने के लिए न्यायालय जाना चाहिए था,वे अपनी ही जमीन पर कब्जा होते देखते रहे क्योंकि उनकी ज़मीन अपनी नहीं है,नुकसान उनके भविष्य का नहीं है! मर्दों के शहर में एक समाजसेवी संस्था छात्रों के हित में,शिक्षा के भविष्य की रक्षा के लिए अदालत पहुंची,लेकिन न्याय नहीं मिला, हाईकोर्ट ने जनहित याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि इसमें आपका कोई हित नहीं है। साथ ही जमानत राशि भी जब्त कर ली, महाविद्यालय परिसर से लगी वह जमीन, जिसे शिक्षा का हब बनाया जा सकता था, जिस पर नए विभाग, नई प्रयोगशालाएं, ऑडिटोरियम और विस्तार योजनाएँ बन सकती थी, उसे अब पुलिस विभाग को दे दिया गया है। और सबसे दुखद वह भी बिना महाविद्यालय से अनापत्ति लिए,निर्माण तेजी से शुरू हो चुका है, कुछ दिनों तक विरोध हुआ, नारे लगे, राजनीतिक बयानबाज़ी भी हुई फिर सब शांत हो गया।अब सभी ने विरोध खत्म कर दिया और बात अब आई गई हो गई।

यहाँ सबसे कड़वा सच यही है...

जिस महाविद्यालय को अपनी जमीन बचाने के लिए आगे आना चाहिए था, वह पूरे प्रकरण में मूक दर्शक बना रहा,हज़ारों छात्रों वाला यह महाविद्यालय चुप क्यों रहा? क्या जिम्मेदारों को अपनी ही जमीन की जानकारी नहीं थी? या फिर उनके ऊपर किसी का दबाव था? या फिर उन्हें इस बात से फर्क ही नहीं पड़ता कि भविष्य में छात्रों के लिए सुविधा बचेगी या नहीं। राजनीति के लिए मुद्दा मिल गया,विरोध को मंच मिल गया, बैठकों को बहस मिल गई पर महाविद्यालय को नहीं मिला, अपनी जमीन बचाने का साहस। और अंत में, एक संस्था जो सच में छात्रों के भविष्य की चिंता कर रही थी, वह अदालत गई, लेकिन हित के नाम पर रोक दी गई।

क्या राजस्व विभाग को 2017 का नजरी नक्शा नहीं दिखा?

खसरा नंबर 288 पर महाविद्यालय स्थापित होने के दस्तावेज सामने आए, फिर उसी जमीन को एसपी ऑफिस के लिए कैसे दे दिया गया? प्रशासन की जिद, प्राचार्य की चुप्पी और महाविद्यालय की जमीन पर तेज़ी से बढ़ता कब्जाज्सवालों के घेरे में पूरा तंत्र कोरिया जिले का चर्चित महाविद्यालय भूमि विवाद अब और भी उलझ गया है। जहां जिला प्रशासन यह दावा करता रहा है कि खसरा नंबर 288 महाविद्यालय की जमीन नहीं है, वहीं दैनिक घटती-घटना के हाथ 2017 का आधिकारिक नजरी नक्शा लगा है, जिसमें साफ-साफ दर्ज है खसरा नंबर 288 महाविद्यालय भवन खसरा नंबर 289 महाविद्यालय का खेल मैदान यानी 2017 में राजस्व विभाग स्वयं यह मान चुका था कि यह भूमि महाविद्यालय की है, तो फिर सवाल बड़ा है 2017 में महाविद्यालय की जमीन, 2025 आते-आते एसपी ऑफिस की जमीन कैसे बन गई?

हाईकोर्ट ने जनहित याचिका खारिज की,कहा यह जनहित नहीं

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की खंडपीठ मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभु दत्त गुरु ने डब्ल्यू.पी.पी.आई.एल 91/2025 को खारिज करते हुए कहा कि- यह याचिका जनहित प्रतीत नहीं होती याचिकाकर्ता इस मामले में अधिकृत पक्ष नहीं हैं स्वयं कॉलेज ने कभी आपत्ति दर्ज नहीं की,विभागीय प्रक्रियाएँ और एनओसी लेकर ही 0.500 हेक्टेयर भूमि पुलिस विभाग को दी गई इसके साथ ही कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई निर्णयों का हवाला देते हुए पीआईएल के दुरुपयोग पर सख्त टिप्पणी की और याचिकाकर्ताओं की जमा सुरक्षा राशि जब्त करने का आदेश दिया। क्या यह मामला जनहित नहीं था? सबसे बड़ा सवाल, अगर शिक्षा और छात्रों का भविष्य जनहित नहीं, तो फिर क्या है? हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता अधिकृत पक्ष नहीं हैं कॉलेज स्वयं याचिकाकर्ता नहीं है इसलिए यह जनहित नहीं,बल्कि व्यक्तिगत याचिका प्रतीत होती है।

क्या राजस्व विभाग नौसिखियों के भरोसे चल रहा है?

जमीन के रिकॉर्ड,नजरी नक्शे,कब्जे की वास्तविक स्थिति,स्कूल-कॉलेज का अस्तित्व सब कुछ नजरअंदाज कर दिया गया। लोग सवाल उठा रहे हैं, क्या नौसिखिए राजस्व अधिकारियों ने बिना जमीन देखे ही आवंटन आदेश बना दिया? या फिर जानबूझकर ही महाविद्यालय की मौजूदगी को आदेश से छुपाया गया? जो भी हो,यह मामला नियमों,प्रक्रिया और प्रशासन की पारदर्शिता पर गंभीर पर्दा डालता है।

महाविद्यालय की जमीन पर निर्माण,प्राचार्य और प्रबंधन गहरी नींद में?

जहां जमीन बचाने में महाविद्यालय की सबसे ज्यादा रुचि होनी चाहिए थी, वही प्राचार्य और प्रबंधन पूरी तरह मौन हैं, 46 साल पुराने महाविद्यालय की जमीन की सीमा कहां है, क्या प्राचार्य को भी नहीं पता? महाविद्यालय की जमीन पर कक्षा भवन, खेल मैदान, पेड़ङ्कपौधे, पुरानी बिल्डिंग, सब मौजूद हैं, फिर भी कोई आपत्ति क्यों नहीं?

याचिकाकर्ताओं का दावा,कॉलेज की भविष्य की जमीन छीनी गई

कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े और उपाध्यक्ष जयचंद्र सोनपाकर ने आरोप लगाया था महाविद्यालय की अलॉटेड भूमि में से 0.500 हेक्टेयर जमीन को 31 जुलाई 2025 को कलेक्टर द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण हेतु पुनः आवंटित कर दिया गया,यह भूमि कॉलेज विस्तार योजना और भविष्य की सुविधाओं के लिए महत्वपूर्ण थी, लेकिन अदालत ने इन्हें अधिकृत पक्ष न मानते हुए कहा कि कॉलेज की ओर से किसी भी चरण में आपत्ति नहीं आई।

सरकार का पक्ष,अभी भी सरकारी रिकॉर्ड में है...

राज्य सरकार की ओर से बताया गया जमीन सरकारी भूमि है,कॉलेज को केवल प्रस्तावित आवंटन था उसके राजस्व रिकॉर्ड और अंतिम प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी एसपी ऑफिस बनाने हेतु जमीन विभागीय एनओसी के बाद विधिवत दी गई इससे कॉलेज के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

सबसे बड़ा सवालः महाविद्यालय क्यों चुप रहा?

यह विवाद अब एक बड़े और कड़वे सवाल पर आकर अटक गया है जब जमीन महाविद्यालय की थी,जब दस्तावेज और तथ्य कॉलेज के पास थे,जब भविष्य की शिक्षा और विस्तार का प्रश्न था तो महाविद्यालय प्रबंधन स्वयं क्यों नहीं खड़ा हुआ? क्या जिम्मेदारों पर कोई दबाव था? क्या उन्हें अपनी जमीन से अधिक अपना पद सुरक्षित रखना था? या फिर ÷उनका तो कोई नुकसान नहीं हो रहा इसलिए वे चुप बैठे रहे? पूर्व और वर्तमान दोनों ही प्रबंधन अब आलोचनाओं के घेरे में हैं क्योंकि 26 वर्षों तक महाविद्यालय से जुड़े रहे अधिकारी भी इस जमीन को बचाने में निष्क्रिय दर्शक माने जा रहे हैं।

महाविद्यालय के भू-भाग पर और भी कब्जे,प्रबंधन मौन

दैनिक घटती-घटना की ग्राउंड जांच में सामने आय,महाविद्यालय की जमीन पर गैर-शासकीय निर्माण कुछ हिस्सों पर स्थायी कब्जे एक बड़े हिस्से पर धार्मिक पंडाल का निर्माण कार्य जारी है,जबकि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट दोनों ही धार्मिक उद्देश्यों से सरकारी भूमि के उपयोग को गैरकानूनी मानते हैं पर यहां प्राचार्य मौन,डीईओ मौन,जिला प्रशासन मौन क्या यह मौन अनुमति से कम है?

निष्कर्ष...

2017 के नक्शे ने खेल बिगाड़ दिया है...अब जब 2017 का नजरी नक्शा सामने है,तो यह स्पष्ट है...महाविद्यालय 288 और 289 पर ही है यह तथ्य प्रशासन से छिपाया नहीं जा सकता आवंटन आदेश में महाविद्यालय की मौजूदगी का उल्लेख न होना संदेह पैदा करता है प्रशासन की जिद,प्राचार्य की चुप्पी और जनप्रतिनिधियों की मौन स्वीकृति इन सबके बीच सबसे बड़ा नुकसान शिक्षा और छात्रों का हो रहा है।

अब स्थिति...

पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण तेज गति से जारी है, समाज सेवी संस्था जिसने पीआईएल दायर की थी,अब निराश होकर पीछे हट चुकी है, और महाविद्यालय? अपनी ही भूमि पर निर्माण को चुपचाप होते हुए देख रहा है,आने वाले वर्षों में इस निर्णय का असर कॉलेज की विस्तार योजनाओं पर कितना पड़ेगा,यह समय बताएगा। लेकिन आज का सवाल–क्या सच में शिक्षा,जमीन से कम महत्वपूर्ण थी? जवाब अभी भी हवा में झूल रहा है।

अंत में यह दो सवा...

क्या संस्था अपने निजी लाभ के लिए गई थी?

या फिर महाविद्यालय की जमीन और आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा बचाने के लिए?

सीमांकन हो जाए,तो कई चेहरे बेनकाब होंगे...

स्थानीय सूत्रों का दावा है यदि एक बार सीमांकन करा दिया जाए,तो महाविद्यालय की जमीन पर कब्जा करने वालों की लंबी सूची सामने आ जाएगी। तो क्या यही वजह है कि प्रशासन सीमांकन कराने से बच रहा है?

सबसे बड़ा सवाल, जनप्रतिनिधि चुप क्यों?

सभी जानते हैं महाविद्यालय की जमीन कम हो जाएगी भविष्य में कक्षाओं,ऑडिटोरियम,प्रयोगशालाओं की जरूरत पड़ेगी,एसपी ऑफिस महाविद्यालय परिसर में बना तो छात्रों की स्वतंत्रता बाधित होगी फिर भी जनप्रतिनिधि चुप हैं,क्यों?

CMYK

क्या महालेखाकार कार्यालय में भी बढ़ रही है अनियमितता की गंध?

वित्तीय अनियमितता की शिकायत लंबित,फिर भी सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य का जीपीएफ फंड किया गया भुगतान,सवालों के घेरे में प्रक्रिया

वित्तीय अनियमितता की शिकायत लंबित,फिर भी जीपीएफ भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण,जांच व्यवस्था पर उठे सवाल

अग्रणी महाविद्यालय की वित्तीय पारदर्शिता पर उठे सवाल,छह वर्षों से ऑडिट लंबित,जीपीएफ भुगतान प्रक्रिया पर भी संदेह

सूचना के अधिकार से खुलासाः कैशबुक अधूरी, ऑडिट रिपोर्ट अनुपलब्ध, फिर भी जीपीएफ भुगतान की प्रक्रिया आरंभ,जांच की मांग तेज

सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य के मामले में जांच में विलंब से बढ़ा विवाद, उच्च शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे प्रश्न

-रवि सिंह-

रायपुर/कोरिया,13 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में सरकारी लेखा प्रणाली की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं, कोरिया जिले के एक शासकीय महाविद्यालय में वित्तीय अनियमितता की शिकायत लंबित रहने के बावजूद संबंधित अधिकारी को जीपीएफ (भविष्य निधि) राशि जारी किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है,इस निर्णय ने महालेखाकार कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं,शिकायतकर्ता द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय तक शिकायत भेजे जाने के बावजूद जांच की गति बेहद धीमी है। विभागीय स्तर पर स्पष्ट रिपोर्ट न आने से अब महालेखाकार कार्यालय की भूमिका पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगे हैं।

बता दे की कोरिया जिला मुख्यालय स्थित शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव अग्रणी महाविद्यालय बैकुंठपुर में वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त दस्तावेजों में यह सामने आया है कि विगत छह वर्षों से महाविद्यालय की कैशबुक का ऑडिट नहीं हुआ, और कई स्थानों पर एंट्री अधूरी है, हस्ताक्षर गायब है, तथा संख्यात्मक विसंगतियाँ पाई गई थी पर आज तक शिकायत के बाद भी जांच पूरी नहीं हुई।

जांच लंबित होने पर भी भुगतान, क्या यह नियमों के विपरीत है?

वित्तीय नियमों के अनुसार यदि किसी अधिकारी के विरुद्ध अनियमितता या भ्रष्टाचार की जांच लंबित हो, तो उसकी सेवा से जुड़ी वित्तीय देनदारियों (जैसे जीपीएफ, ग्रेच्युटी या पेंशन) का भुगतान जांच पूर्ण होने तक रोका जाना चाहिए। लेकिन इस मामले में,जांच लंबित रहते हुए भुगतान आदेश जारी किए जाने की जानकारी सामने आने से वित्तीय अनुशासन पर सवाल उठ रहे हैं।

जनता की मांग,पारदर्शी जांच और जवाबदेही

जनता और स्थानीय नागरिक संगठनों का कहना है कि उच्च शिक्षा विभाग को इस मामले में जल्द से जल्द जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि महालेखाकार और शिक्षा विभाग दोनों की विश्वसनीयता बनी रहे, यदि जांच लंबित रहते हुए भुगतान प्रक्रिया पूरी हो जाती है, तो यह वित्तीय प्रशासनिक जवाबदेही पर गहरा प्रश्नचिह्न छोड़ जाएगी।

प्रमुख विसंगतियाँ (आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार)

- 2019 के बाद से ऑडिट रिपोर्ट उपलब्ध नहीं...
- कई वर्षों के बैंक व ट्रेजरी टोटल अनुपस्थित...
- कई पन्नों पर हस्ताक्षर गायब...
- कटिंग और सुधार बिना सत्यापन हस्ताक्षर के...
- सेवानिवृत्ति के बाद भी कैश बुक अधूरी...
- जनभागीदारी एवं पी.डी. खाते का लेखा असंतुलित...

कर्मचारी संगठनों ने मांगी स्पष्ट

कर्मचारी संगठनों और शिक्षाविदों ने इस पूरे प्रकरण में जांच की पारदर्शिता और समय सीमा तय करने की मांग की है, उनका कहना है कि यदि जांच लंबी खींचती रही और बीच में भुगतान की प्रक्रिया पूरी हो गई, तो भविष्य में ऐसे मामलों के लिए गलत परंपरा स्थापित हो सकती है। एक शिक्षा कर्मी ने कहा जांच अधूरी रहते हुए भुगतान होना यह संकेत देता है कि प्रशासनिक नियमों की गंभीरता कम हो रही है। जांच पूरी होने तक किसी भी आर्थिक भुगतान पर रोक लगनी चाहिए।

विभागीय सूत्रों की प्रतिक्रिया-

विभागीय सूत्रों का कहना है कि जांच रिपोर्ट उच्च शिक्षा विभाग को भेजी गई है, लेकिन अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है, सूत्रों के अनुसार,जांच में देरी का कारण दस्तावेजों की पुष्टि और वित्तीय अभिलेखों की जटिलता बताई जा रही है।

जांच में विलंब से बढ़ रहा अविश्वास

कई सामाजिक संगठनों ने यह भी सवाल उठाया है कि क्या जांच को जानबूझकर विलंबित किया जा रहा है ताकि संबंधित व्यक्ति को अपने पक्ष में राहत मिल सके, सूत्रों के अनुसार, आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों में वित्तीय अनियमितता की कुछ बातें सामने आई हैं,जिनकी जांच होना आवश्यक है।

पूर्व में प्रकाशित की गई खबरों की कतरनें

शिकायत अभी जांच के अधीन,फिर भी भुगतान आदेश क्यों?

सूत्रों के अनुसार,संबंधित महाविद्यालय के एक सेवानिवृत्त प्रभारी अधिकारी पर वित्तीय अनियमितता और दस्तावेजों के दुरुपयोग की शिकायत लंबित है, जिसकी जांच उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से की जानी है। परंतु जांच पूरी हुए बिना ही महालेखाकार कार्यालय से उनके जीपीएफ भुगतान का आदेश जारी कर दिया गया। प्रशासनिक विशेषज्ञों का कहना है कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ वित्तीय जांच लंबित है, तो नियमों के अनुसार जीपीएफ या पेंशन भुगतान रोकना आवश्यक होता है, जब तक कि जांच रिपोर्ट स्पष्ट न हो जाए।

महालेखाकार कार्यालय की भूमिका पर उठे सवाल

महालेखाकार कार्यालय भारत सरकार के नियंत्रण में कार्य करता है और इसका उद्देश्य ही सरकारी वित्तीय अनुशासन की निगरानी करना है, ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब विभाग के पास संबंधित व्यक्ति के खिलाफ वित्तीय अनियमितता की शिकायत दर्ज है,तो बिना जांच पूर्ण हुए भुगतान का आदेश क्यों? वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यदि ऐसी प्रक्रिया बिना जांच के पूरी की जाती हैं, तो यह वित्तीय प्रशासन की पारदर्शिता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं और गलत उदाहरण स्थापित करती हैं।

ऑडिट रिपोर्ट छह वर्षों से लंबित-

दस्तावेजों के अनुसार, 2019 के बाद से महाविद्यालय की कैशबुक का ऑडिट नहीं हुआ है, कैशबुक में बैंक व ट्रेजरी टोटल भी नहीं है, जिससे आय-व्यय का संतुलन स्पष्ट नहीं हो पा रहा, कई पन्नों में हस्ताक्षर अनुपस्थित हैं और कुछ प्रविष्टियाँ वर्षों बाद दर्ज की गई हैं, विशेषज्ञों का कहना है कि यह वित्तीय अनियमितता का संकेत हो सकता है और इसकी जांच आवश्यक है।

सेवानिवृत्ति के बाद कैश बुक पूरी करने की कोशिश

सेवानिवृत्ति के छह महीने बाद पूर्व प्रभारी प्राचार्य द्वारा कैश बुक का टोटल और ऑडिट करवाने के लिए अनुमति मांगे जाने की सूचना ने और सवाल खड़े कर दिए हैं। नियमों के अनुसार, वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद ऑडिट रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होता है, वर्षों बाद कैश बुक को पुनः संशोधित या टोटल करने का प्रयास, प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह पैदा करता है।

जीपीएफ भुगतान प्रक्रिया पर भी संदेह

सामाजिक संगठनों और कर्मचारी प्रतिनिधियों का कहना है कि यदि ऑडिट और जांच लंबित हैं, तो किसी भी प्रकार का सेवानिवृत्ति भुगतान, विशेषकर जीपीएफ (भविष्य निधि) तब तक नहीं किया जाना चाहिए, जब तक जांच पूरी न हो जाए। जानकारों के अनुसार, उच्च शिक्षा विभाग के 4 जुलाई 2025 के संशोधित आदेश के तहत, ऐसे मामलों में भुगतान तब तक स्थगित रहेगा जब तक वित्तीय अनियमितता से जुड़ी जांच पूरी न हो जाए। एक शिक्षाविद् ने कहा ÷यदि जांच पूरी होने से पहले भुगतान कर दिया जाता है, तो यह विभागीय नियमों की अवहेलना होगी और भविष्य में जवाबदेही तय करना मुश्किल हो जाएगा।

राजनीतिक और सामाजिक प्रतिनिधियों की मांग

भाजपा नेता और सामाजिक कार्यकर्ता शारदा प्रसाद गुप्ता ने इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सचिव उच्च शिक्षा विभाग, और कलेक्टर कोरिया को पत्र भेजा था,पत्र में पिछले 15 वर्षों के वित्तीय दस्तावेजों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में राजनीतिक खींचतान और प्रभार विवाद के चलते प्रशासनिक व वित्तीय अनुशासन प्रभावित हुआ है।

जनता की मांग, स्वतंत्र जांच हो...

स्थानीय शिक्षकों, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि शासन को इस पूरे प्रकरण की स्वतंत्र जांच समिति गठित कर कैशबुक, ऑडिट रिपोर्ट और वित्तीय लेनदेन का भौतिक सत्यापन करवाना चाहिए, जनता का कहना है कि जब महाविद्यालय जैसी शैक्षणिक संस्था में पारदर्शिता पर प्रश्न उठने लगें,तो यह केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि नैतिक विफलता का भी संकेत है।

जनता और प्रशासनिक हलकों में चर्चा...

इस पूरे मामले ने स्थानीय प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। कई कर्मचारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया है कि क्या महालेखाकार कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में भी अब प्रभाव और पहुँच के आधार पर निर्णय लिए जा रहे हैं? जनता के बीच यह धारणा बन रही है कि यदि वित्तीय अनुशासन की निगरानी करने वाला ही विभाग नियमों की अनदेखी करेगा, तो जवाबदेही की उम्मीद कहाँ से की जाएगी।

पारदर्शी जांच की मांग...

स्थानीय स्तर पर अब इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच की मांग उठ रही है, सामाजिक संगठनों और कर्मचारी संघों का कहना है कि शासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जांच लंबित मामलों में किसी प्रकार का भुगतान न हो, ताकि भविष्य में भ्रष्टाचार या प्रभावशाली हस्तक्षेप की गुंजाइश न रहे।

टीवी एक्ट्रेस के प्यार में गिरफ्तार हैं सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी?

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी का नाम पिछले कुछ वक्त से टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस के साथ जोड़ा जा रहा था। अब आखिरकार एक्टर की टीम ने दोनों के डेटिंग रूमर्स पर रिएक्ट किया है।

» एक्टर की टीम ने किया खुलासा
» जिया शंकर संग जुड़ा अहान शेट्टी का नाम
» तानिया श्रॉफ संग रिलेशनशिप में रह चुके अहान
» बॉर्डर 2 में दिखाई देंगे सुनील शेट्टी के बेटे अहान

अहान शेट्टी यूं तो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट से दूर रखते हैं, लेकिन सोशल मीडिया के जमाने में कयासों का सिलसिला कहां थमने वाला है। पहले अभिनेता तानिया श्रॉफ को डेट कर रहे थे। मगर पिछले कुछ समय से ऐसी चर्चा थी कि अहान को नई गर्लफ्रेंड मिल गई है।

अहान शेट्टी के साथ जिस लड़की का नाम जोड़ा जा रहा था,वो कोई और नहीं बल्कि टीवी और मराठी एक्ट्रेस जिया शंकर थीं। जी हां,पिछले कुछ वक्त से सोशल मीडिया पर कयास लग रहे थे कि जिया और अहान एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

क्या जिया शंकर को डेट कर रहे अहान शेट्टी?

अब आखिरकार अहान शेट्टी की तरफ से डेटिंग रूमर्स का सच सामने आ गया है। एक्टर की टीम ने खुलासा किया है कि क्या वाकई अहान और जिया रिलेशनशिप में हैं या नहीं। एक्टर की टीम के मुताबिक, यह सिर्फ अफवाह है और डेटिंग की खबरें बेबुनियाद है।

टीम ने एक बयान जारी करते हुए कहा, ये डेटिंग की अफवाहें पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। अहान अभी किसी को डेट नहीं कर रहे हैं। उनका पूरा ध्यान अपने काम पर है। उनके पास कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें से बॉर्डर 2 भी जल्द ही आने वाली है।

कौन हैं जिया शंकर?

जिया शंकर एक फेमस टीवी और मराठी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने पिशाचिनी, काटेलाल एंड संस, वर्जिन भास्कर जैसे सीरियल्स में काम किया है। वह रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख के साथ मराठी फिल्म वेद में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने कुछ साउथ फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने सलमान खान होस्टेड रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 से पहचान मिली थी।

कौन हैं अहान शेट्टी की एक्स गर्लफ्रेंड?

जिया शंकर से नाम जुड़ने से पहले कथित तौर पर अहान शेट्टी तानिया श्रॉफ के साथ रिलेशनशिप में थे। दोनों एक-दूसरे के साथ रोमांटिक फोटोज भी शेयर करने से पीछे नहीं रहते थे। हालांकि, अब दोनों अलग हो चुके हैं। अभी तक दोनों में से किसी ने भी अपने ब्रेकअप की वजह नहीं बताई है।

खेल समाचार

कोलकाता टेस्ट में भारत के सामने वर्ल्ड चैम्पियन की चुनौती

साउथ अफ्रीका से मैच आज से

गिल बोले-मुकाबला आसान नहीं होगा,पर हम तैयार

कोलकाता, 13 नवम्बर 2025। भारतीय क्रिकेट टीम के सामने कोलकाता टेस्ट में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका की चुनौती है। यह मैच शुक्रवार, 14 नवंबर से ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच से एक दिन पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा है- वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं होगा। कुछ मुश्किल पल भी आएंगे। लेकिन, हमने उनका बखूबी सामना किया है।

दरअसल, साउथ अफ्रीका ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में अब तक एक भी टेस्ट नहीं गंवाया है। टीम ने 10 में से 9 टेस्ट जीते हैं, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। अफ्रीकी टीम ने इस साल जून में ऑस्ट्रेलिया को हराकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता था। 2 टेस्ट की सीरीज से पहले कोलकाता पुलिस ने दिल्ली में हुए ब्लास्ट के बाद स्टेडियम और उसके आसपास की सुरक्षा भी बढ़ा दी है।भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अब तक टेस्ट क्रिकेट में जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले हैं। दोनों टीमों के बीच 44 टेस्ट मैच खेले गए, जिनमें भारत ने 16 और साउथ अफ्रीका ने 18 मुकाबलों में जीत दर्ज की, जबकि 10 मैच ड्रॉ रहे। हालांकि, साउथ अफ्रीकी टीम पिछले 15 साल से भारत को उसके घर हरा नहीं सकी है। यहां टीम को आखिरी जीत 2010 में मिली थी। उसके बाद भारत में 8 मैच खेले गए, जिसमें 7 होम टीम ने जीते, जबकि एक ड्रॉ रहा। वहीं, भारत ने अपने घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 19 टेस्ट खेले, जिनमें से 11 जीते और 5 गंवाए। वहीं, 3 मुकाबले ड्रॉ रहे। आखिरी टेस्ट सीरीज दोनों टीमों के बीच 2023-24 में साउथ अफ्रीका में खेली गई थी, जो 1-1 से ड्रॉ रही।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल टीम के टॉप रन स्कोरर हैं, उन्होंने इस साल 8 मैचों में 5 शतक लगाकर 979 रन बना दिए हैं। वे कोलकाता टेस्ट में इस साल अपने 1000 टेस्ट रन पूरे कर सकते हैं। वे 21 रन दूर हैं। वहीं मोहम्मद सिराज 37 विकेट लेकर टीम के टॉप गेंदबाज हैं।

रेड्डी की जगह ध्रुव जुरेल को मौका

नीतीश रेड्डी को टेस्ट स्क्वॉड से रिलीज कर दिया गया। वे इंडिया-ए से साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ वनडे खेलते नजर आएंगे। भारतीय टीम के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डोश्केट ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हम टीम कॉम्बिनेशन को लेकर काफी हद तक क्लियर हैं। पिछले छह महीनों में ध्रुव ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है। खासकर पिछले सप्ताह बेंगलुरु में साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ दो शतक लगाकर वे निश्चित रूप से इस हफ्ते खेलेंगे। हमारी प्राथमिकता मैच जीतने की रणनीति तैयार करना है। नीतीश के मामले में हमारी स्थिति नहीं बदली है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इस सीरीज के महत्व और हालात को देखते हुए संभव है कि इस हफ्ते वह पहले टेस्ट में न खेलें।

2019 के बाद पहली बार कोलकाता में टेस्ट

ईडन गार्डन्स स्टेडियम 6 साल बाद टेस्ट की मेजबानी करेगा। आखिरी बार यहां नवंबर 2019 में भारत और बांग्लादेश के बीच पिंक बॉल डे-नाइट टेस्ट खेला गया था, जिसमें भारत ने एकतरफा जीत दर्ज की थी।

कोलकाता में अब तक 42 टेस्ट खेले गए। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 12 और पहले गेंदबाजी करने वाली टीम ने 10 मैच जीते। 20 मुकाबले ड्रॉ रहे। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच यहां 3 टेस्ट खेले गए। भारत ने 2 और साउथ अफ्रीका ने 1 मुकाबला जीता। पिछले दोनों मैच भारत ने जीते।

स्पेशल सिक्के से होगा टॉस

कोलकाता टेस्ट में टॉस के दौरान महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की तस्वीर वाला एक सिल्वर कॉइन इस्तेमाल किया जाएगा। बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बताया है कि यह कॉइन विशेष रूप से इस सीरीज के लिए बनाया गया है और टॉस के दौरान इसका इस्तेमाल किया जाएगा। इसके एक तरफ महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की तस्वीर है। वहीं, दूसरी तरफ फ्रीडम ट्रॉफी लिखी होगी। इसका वजन 20 ग्राम है और इस पर गोल्ड की एक परत भी होगी।

पिच और मौसम का रोल अहम

ईडन गार्डन्स स्टेडियम की पिच बैलेंस्ड मानी जाती है। यहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मदद मिलती है। ज्यादातर मदद बैटर्स को मिलती है, लेकिन टेस्ट के पहले दो दिनों में तेज गेंदबाजों को स्विंग और सीम मूवमेंट मिल सकती है। जबकि तीसरे दिन से स्पिनर्स की भूमिका बढ़ने की उम्मीद है। नवंबर का मौसम कोलकाता में ठंडा और हल्की नमी वाला रहता है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के क्यूरेटर सुजन मुखर्जी ने मंगलवार को बताया कि यहां तीसरे दिन से टर्न मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस पिच पर बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मदद मिलेगी।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट भारत में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव टेलीकास्ट होगा। वहीं, लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर देखने के लिए उपलब्ध होगी। इसके साथ ही आप भास्कर एप पर मैच का कवरेज देख सकते हैं।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-इलेवन

भारत: यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह।

साउथ अफ्रीका: ऐडन मार्करम, टोनी डी जॉर्जी, ट्रिस्टन स्टब्स, टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, काइल वेरिने (विकेटकीपर), सेनुरन मुथुसामी, साइमन हार्मर, केशव महाराज, मार्को यानसन, कगिसो रबाडा।

दिल्ली धमाके के बाद ईडन गार्डन्स में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सोमवार को हुए दिल्ली धमाके में 12 लोगों की जान चली गई है। इसके बाद कोलकाता पुलिस ने भारत और साउथ अफ्रीका दोनों टीमों की सुरक्षा बढ़ा दी है। ईडन गार्डन्स और टीम होटलों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। शहर के सभी प्रमुख प्रवेश और निकास बिंदुओं पर चेकिंग बढ़ा दी गई है।

पिच से स्पिनर्स को थोड़ी ज्यादा मदद मिल सकती है : पुजारा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और जियोस्टार एक्सपर्ट चेतेश्वर पुजारा ने गुरुवार को मैच से पहले मीडिया-डे पर दैनिक भास्कर के सवाल पर कहा, मेरा मानना है कि अब कोलकाता की पिच और भी बैलेंस्ड हो गई है। यहां स्पिनर्स और फास्ट बॉलर्स दोनों को मदद मिलती है। हाल के सालों में देखा गया है कि अगर यहां अच्छी विकेट तैयार की जाए, तो बल्लेबाज रन भी बना सकते हैं और स्पिनर्स को टर्न भी मिलता है।

//ईश्तहार//

इस सार्वजनिक ईश्तार के माध्यम से सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि बोरीडांड–सूरजपुर दोहरीकरण रेलवे परियोजना के निष्पादन के लिये केन्द्रीय सरकार (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे) के निचे दी गई अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि की अधिग्रहित करने का निर्णय किया गया है, जिसकी अधिसूचना रेल अधिनियम 1989 की धारा 20E की उपधारा (1) के तहत भारत के राजपत्र **संख्या 4477 नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 8, 2025/आश्विन 16, 1947** प्रकाशित किया जा चुका है। अधिग्रहित की जाने वाली भूमि के मुआवजा राशि का निर्धारण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू–अर्जन अधिकारी मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर एवं सूरजपुर द्वारा किया जायेगा।

अतः इस ईश्तहार के माध्यम से संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे अपने दावे न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू–अर्जन अधिकारी मनेन्द्रगढ़, बैकुण्ठपुर एवं सूरजपुर के कार्यालय में इस ईश्तहार के प्रकाश दिनांक से 15 दिनों के अन्दर व्यक्तिगत रूप से या अपने प्रतिनिधि या अधिवक्ता के माध्यम से आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें।

रजिस्ट्री सं. डी.एल. –33004/99 REGD. No. D. L-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.–सी.जी. अ.-13102025-266884
CG-CG-E-13102025-266884

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II खण्ड 3 - उप-खण्ड (ii)
PART II - Section 3- Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4477] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 08, 2025/आश्विन 16, 1947
No. 4477] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 08, 2025/ASHWIN 16, 1947

रेल मंत्रालय
(द.पू.म. रेलवे)
अधिसूचना
बिलासपुर, 03 अक्टूबर, 2025
रेल अधिनियम 1989 की धारा 20E के अंतर्गत अधिसूचना

का.आ. 4606(अ)– केंद्रीय सरकार, रेल अधिनियम 1989 (1989 का 24) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20(A) की उप–धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप खण्ड (ii) में प्रकाशित, भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की अधिसूचना संख्या 2798, तारीख 25 जून 2025 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा उक्त अधिसूचना में उपलब्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को, छत्तीसगढ़ राज्य के बोरीडान्ड–सूरजपुर दोहरीकरण रेल परियोजना (79.90 कि.मी.) (पिंक बुक कमांक 26 वर्ष 2020–2021) के अन्तर्गत बोरीडान्ड–सूरजपुर दोहरीकरण रेल परियोजना (79.90 कि.मी.) के निष्पादन के लिये अर्जित करने के अपने आशय की घोषणा की थी।

उक्त अधिनियम की धारा 20(A) की उप–धारा (4) के अधीन उक्त अधिसूचना संख्या 2798 का सार दैनिक समाचार पत्र अर्थात टाइम्स ऑफ इंडिया रायपुर (अंग्रेजी), रिहन्द टाइम्स सरगुजा (हिन्दी), नव भारत बिलासपुर (हिन्दी), पत्रिका बिलासपुर (हिन्दी) दिनांक 09.07.2025 में प्रकाशित किया गया था, निर्धारित तिथि तक निराकरण सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में की गई आपत्तियो का निराकरण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) मनेन्द्रगढ़ के पारित आदेश पत्र कमांक रा0प्र0क0 202506330400088/अ–82 दिनांक 18.09.2025 द्वारा कर दिया गया है।

उक्त अधिनियम कि धारा 20(E) की उप–धारा (1) के अनुसरण में सक्षम अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत कर दी है, अतः अब, केन्द्रीय सरकार सक्षम अधिकारी से उक्त रिपोर्ट प्राप्त होने पर और उक्त रेल अधिनियम 1989 की धारा 20(E) की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इससे उपबध्द अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जाएगी, और यह केन्द्रीय सरकार की उक्त अधिनियम की धारा 20(E) की उप–धारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने पर इससे उपबध्द अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगनो से मुक्त होकर केन्द्रीय सरकार में आत्यंतिक रूप से निहित हो जायेगी।

ग्राम– उजियारपुर, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला एम0सी0बी0 (छ0ग0)

क्र.	खसरा नंबर	अर्जित क्षेत्रफल रकबा हे.में	भूमि का प्रकार	कृषक का नाम, पिता/पति का नाम
1	721	0.030	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
2	720	0.018	निजी भूमि	प्रंमोद, शनि आ0 हिरालाल, आर.पी.सिंह, दीपक आ0 बुद्धु सिंह, सावित्री सिंह बेवा बुद्धु सिंह, दिव्या, सोनमत पुत्री बुद्धु सिंह, इन्द्रकुवंर बेवा हिरालाल, सोनमत पुत्री नन्दलाल
3	719	0.016	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि (सडक)
4	717/2	0.040	निजी भूमि	हिमांशी पिता समयलाल
5	717/1	0.006	निजी भूमि	गौरीशंकर आ0 पलटु साव
6	716	0.130	निजी भूमि	प्रंमोद, शनि आ0 हिरालाल, आर.पी.सिंह, दीपक आ0 बुद्धु सिंह, सावित्री सिंह बेवा बुद्धु सिंह, दिव्या, सोनमत पुत्री बुद्धु सिंह, इन्द्रकुवंर बेवा हिरालाल, सोनमत पुत्री नन्दलाल
7	715/1	0.080	निजी भूमि	पुरसोत्तम आ0 दुखीराम
8	715/2	0.050	शासकीय भूमि	चन्द्रप्रकाश आ0 रामऔतार
9	713	0.010	निजी भूमि	रज्जन, रूपन आ0 रामदेव, मु. सोनकुवंर बेवा रामदेव, सुन्दर आ. रामदेव
10	714/1	0.040	निजी भूमि	कमलेश कुमार आ0 रामनारायण
11	712	0.060	निजी भूमि	धीरू आ0 भोला
12	711	0.020	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
13	682/2	0.030	निजी भूमि	हरिनंन्दन आ0 जदुनाथ
14	682/3	0.018	निजी भूमि	हरिलाल आ0 जदुनाथ
15	682/4	0.017	निजी भूमि	ना.बा.महिपाल ना.बा. रामसुन्दर आ0 बसंतलाल, मंगेश्वरी, ना.बा. श्रीमति बसंतलाल, सुकवरिया पति बसंतलाल
16	681/5	0.037	निजी भूमि	विजय कुमार आ0 ननकुराम
17	681/7	0.032	निजी भूमि	सुदीप सिंह आ0 स्व.कृष्ण कुमार सिंह, विवेक जायसवाल आ0 स्व.प्रमोद जायसवाल
18	681/3	0.010	निजी भूमि	श्यामबली आ0 जगरनाथ
19	679/2	0.032	निजी भूमि	देवप्रसाद आ0 ठाकुर प्रसाद
20	678/2	0.028	निजी भूमि	सोमरिया बाई पुत्री रामदिन गोड़
21	677/2	0.042	निजी भूमि	रामसाय आ0 जगदीश
22	677/1	0.079	निजी भूमि	रामसेवक आ0जगदीश
23	676	0.080	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि (सडक)
24	562	0.016	निजी भूमि	भोला आ0 हीरालाल, संत कुमार,बसंत सिंह आ0मोतीलाल, हीरामती, रूपा आ0 मोतीलाल, बसंतीबाई बेवा मोतीलाल
25	561/1	0.036	निजी भूमि	शिवमंगल ,जयमंगल, राजेन्द्र आ0 सोनसाय, उर्मिला बेवा सोनसाय
26	557	0.024	निजी भूमि	रनसाय ,धनसिंह, मानसिंह पिता जोखु, मोतीलाल, भोला आ. सुक्खू उर्फ हीरालाल
27	556	0.027	निजी भूमि	रबी आ0 परषोत्तम
28	544	0.040	निजी भूमि	नर्वदा प्रसाद आ0 धर्मपाल
29	553	0.090	निजी भूमि	नर्वदा प्रसाद आ0 धर्मपाल
30	552	0.019	निजी भूमि	राजकुमार आ0 धर्मसाय
31	545	0.030	निजी भूमि	राजकुमार आ0 धर्मसाय
32	550	0.032	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
33	551	0.028	निजी भूमि	राजकुमार आ0 धर्मसाय
34	546	0.061	निजी भूमि	बुधराम आ0 खुदुल, निरंजन कुमार आ0 बुधराम चेरवा
35	547	0.063	निजी भूमि	बुधराम आ0 खुदुल, निरंजन कुमार आ0 बुधराम चेरवा
36	608	0.010	निजी भूमि	रामनाथ आ0 बुद्धु
37	609	0.110	निजी भूमि	सुमन्त कुमार आ0 सर्वजीत, मु. फुलझरबाई बेवा सर्वजीत
38	610/1	0.040	निजी भूमि	सुखमतिया बाई पति मंगलूसिंह
39	610/3	0.070	निजी भूमि	सुखमतिया बाई पति मंगलूसिंह
40	611	0.040	निजी भूमि	पवनकुमार, सीताराम आ0 रामनारायण
41	614	0.070	निजी भूमि	बलराम आ0 जयनारायण
42	613	0.130	निजी भूमि	विजय बहादुर, धन सिंह, शिवनारायण, सत्यनारायण, प्रेमनारायण, जगतनारायण आ0 दुर्याधन
43	619/1	0.050	निजी भूमि	सविता साहु पति दिवाकर प्रसाद
44	620/1	0.030	निजी भूमि	सविता साहु पति दिवाकर प्रसाद
45	288	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
46	299/3	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
47	299/2	0.010	निजी भूमि	इन्द्रकुवंर पति जगेशर
48	299/1	0.020	निजी भूमि	सोनीबाई पिता जगेशर
49	298/1	0.050	निजी भूमि	शासकीय भूमि
50	290	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
51	296	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि (सड़क)
52	289	0.070	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
53	288	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
54	287	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
योग	54	2.131		

ग्राम– बरबसपुर तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला एम0सी0बी0 (छ0ग0)

क्र.	खसरा नंबर	अर्जित क्षेत्रफल रकबा हे.में	भूमि का प्रकार	कृषक का नाम, पिता/पति का नाम
1	968	0.260	निजी भूमि	मु.सोनकुवंर बेवा देवनारायण मु.फुलकुवंर बेवा रमांकात ना.बा.मानसी पिता रमाकांत, संतोष, अहिल्या, मीना पिता देवनारायण
2	967	0.070	निजी भूमि	श्रवण कुमार आ0 कुन्दन कुमार
3	966	0.030	निजी भूमि	मु.सोनकुवंर बेवा देवनारायण मु. फुलकुवंर बेवा रमाकांत ना.बा.मानसी पिता रमाकांत, संतोष, अहिल्या, मीना पिता देवनारायण
4	965	0.110	निजी भूमि	सुमारसाय पिता रामरूप
5	964	0.090	निजी भूमि	सुमारसाय पिता रामरूप
6	963	0.040	निजी भूमि	सुमारसाय पिता रामरूप
7	961	0.040	निजी भूमि	रामलाल, पतिलाल, प्रेमलाल पिता सुरजन, देवनारायण, गणेशप्रसाद, आ0 हिरालाल, उर्मिलादेवी, लक्ष्मी, राजकुमारी, कांति पिता हीरालाल,
8	960	0.030	निजी भूमि	सुमारसाय पिता रामरूप
9	959	0.040	निजी भूमि	अमृत बाई, पति अजमेर सिंह, मानमति पुत्री ठाकुर, ना.बा.नरेन्द्रसिंह, ना.बा. बिरेन्द्र सिंह ना.बा. धर्मेन्द्र सिंह आ0 अजमेर सिंह, सुनीता, उर्मिला आ0राय सिंह, मु. लछमनिया पति रायसिंह, जगमनबाई आ0ठाकुर
10	944	0.020	निजी भूमि	मान्तीबाई पिता जग्गूसिंह, रूकरमन पुत्री रघुनाथ सिंह
11	945	0.040	निजी भूमि	रामवती बेवा कचरू
12	946	0.050	निजी भूमि	जगतनारायण सिंह, शंकर आ0 बच्चू,गनेशिया बेवा बच्चू,बसंन्त सिंह,रविन्द्र सिंह,गोविन्द सिंह आ0 गुलाब सिंह,मु. लक्ष्मनिया बेवा गुलाब सिंह,
13	947	0.040	निजी भूमि	जगतनारायण सिंह, शंकर आ0 बच्चू,गनेशिया बेवा बच्चू,बसंन्त सिंह,रविन्द्र सिंह,गोविन्द सिंह आ0 गुलाब सिंह,मु. लक्ष्मनिया बेवा गुलाब सिंह,
14	954	0.100	निजी भूमि	अमृत बाई, पति अजमेर सिंह, मानमति पुत्री ठाकुर, ना.बा.नरेन्द्र सिंह, ना.बा.बिरेन्द्र सिंह ना.बा. धर्मेन्द्र सिंह आ0 अजमेर सिंह, सुनीता, उर्मिला आ0 राय सिंह, मु.लछमनिया पति रायसिंह, जगमनबाई आ0 ठाकुर
15	955	0.050	निजी भूमि	सुमारसाय पिता रामरूप
16	956	0.020	निजी भूमि	प्रभूनारायण आ0 नंन्दलाल साहु
17	957	0.010	निजी भूमि	बजारू, पूतपाल, रामदास आ0 कमला, मन्तोरिया बेवा नवलसाय, महेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, कुसुमबाई, अंजनिया, सुखमणिया पिता धरमपाल, मानकुंवर बेवा धरमपाल
योग	17	1.040		

RO No: BSP-671/25-26

ग्राम– दर्रीटोला, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला एम0सी0बी0 (छ0ग0)

क्र.	खसरा नंबर	अर्जित क्षेत्रफल रकबा हे.में	भूमि का प्रकार	कृषक का नाम, पिता/पति का नाम
1	73/1	0.100	निजी भूमि	नानसाय आ0 बच्चू
2	74/1	0.024	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
3	76/4	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि (सडक)
4	83/1	0.030	निजी भूमि	ह्रदयलाल आ0 कतरु, फूलमत पुत्री देवलाल, फुलमतिया बेवा सुंदर, जानू आ0 नरिन्द्रा
5	181/1	0.015	निजी भूमि	उमेश पिता कंदूलाल, ललिता पुत्री कंदूलाल, सोनकुंवर बेवा कंदूलाल, रितेश पिता नरेश सिंह, निशू पुत्री नरेश, रोशनी पुत्री नरेश, विद्यावती पति नरेश
6	188/1	0.100	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
7	179/1	0.005	निजी भूमि	परसुराम आ0मोहन
योग	07	0.284		

ग्राम– सरोला, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला एम0सी0बी0 (छ0ग0)

क्र.	खसरा नंबर	अर्जित क्षेत्रफल रकबा हे.में	भूमि का प्रकार	कृषक का नाम, पिता/पति का नाम
1	101/3	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
2	104/2	0.020	निजी भूमि	कबुतरी पुत्री बलराम
3	105/6	0.150	निजी भूमि	सोनमती आ0 बलराम
4	105/12	0.020	निजी भूमि	मू0 उदसिया बेवा गोरेलाल कलार
5	105/5	0.120	निजी भूमि	राहुल पिता ललनचंन्द्र, मू0 फगुनीबाई बेवा ललनचंन्द्र
6	105/1	0.010	निजी भूमि	राहुल पिता ललनचंन्द्र, मू0 फगुनीबाई बेवा ललनचंन्द्र
7	105/1/ख	0.130	निजी भूमि	मू0 उदसिया बेवा गोरेलाल कलार
8	99/4	0.030	निजी भूमि	कृष्णलाल पिता शिवनारायण
9	99/5	0.030	निजी भूमि	अनंतलाल आ. शिवनारायण
10	105/7	0.070	निजी भूमि	भगमनिया बेवा शुक्ला, दुर्गा प्रसाद आ0 शुक्ला प्रसाद, महेश आ. शुक्ला प्रसाद
11	105/8	0.130	निजी भूमि	राजकुमार आ0 बलराम
12	98/1	0.010	निजी भूमि	शिवेन्द्र आ0 रूद्रमन
13	97/3	0.100	निजी भूमि	इन्द्रजीत आ0 टुबुल
14	96/3	0.010	निजी भूमि	हरीसिंह, पतिराज, कौशिल्या, कयासो बाई, धनफेर सिंह सभी आ0 रामप्रसाद, रामबाई, सावित्री, शिवकुमारी, कौशल सिंह आ0 गुलाब सिंह, फूलमनी, अस्मिता, आशीष, मनीषा पिता शिवलाल
15	30	0.010	निजी भूमि	दलप्रताप आ0 मनबोध सिंह
16	23/8	0.090	निजी भूमि	बृजमोहन आ0 शिवराम
17	23/12	0.140	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
18	28/2	0.020	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
19	29/4	0.080	निजी भूमि	रामबाई, सुमित्रा आ0 फूलसा, ज्योति, शुभम, स्वाति आ0 देवनारायण, मानमति, परमीला, पवन कुमार, विद्या, अमन आ0 संतोश, सुभाष, चंद्रिका आ0 रजन
20	34/1	0.020	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
21	8/7	0.020	निजी भूमि	मंगलसाय आ0 मुगुल
22	पुराना न.8/10ग, नविन न.8/30	0.040	निजी भूमि	भैयालाल आ0 मीरासाय
23	पुराना न.8/9 ग/1, नविन न.8/26	0.030	निजी भूमि	जयमंगल, रमफल पिता दखलसाय, खुइली, बुढ़िया, डोडलबाई, नवागढ़ी पुत्री दखलसाय
24	पुराना न. 8/9 ग/2, नविन न.8/27	0.010	निजी भूमि	शिवप्रसाद, मोहरलाल, चन्द्रवती, आ0 रतनसाय, मंगलसाय आ0 मीठाई ना0बा0 प्रेमशंकर पिता दयाशंकर, इन्दल पालक माता फुलबाई
25	पुराना न.8/3 ग, नविन न.8/18	0.020	निजी भूमि	श्यामलाल आ0 झेलसाय
26	8/4	0.015	निजी भूमि	श्यामलाल आ0 झेलसाय
27	पुराना न.8/4 क, नविन न.8/19	0.024	निजी भूमि	वंन्शलाल आ0 जगमोहन, शिव आ0 जगमोहन, सोनकुवंर पति जगमोहन
28	6/3	0.010	निजी भूमि	वंन्शलाल आ0 जगमोहन, शिव आ0 जगमोहन, सोनकुवंर पति जगमोहन
29	पुराना न.8/8 ग, नविन न.8/23	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
30	5/3	0.030	निजी भूमि	मंगल आ0 मिठाई
योग	30	1.409		

ग्राम– सेमरा, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला एम0सी0बी0 (छ0ग0)

क्र.	खसरा नंबर	अर्जित क्षेत्रफल रकबा हे.में	भूमि का प्रकार	कृषक का नाम, पिता/पति का नाम
1	296/1	0.030	निजी भूमि	श्रीमति इन्दकुवंर पति आगरसाय, लखन पिता आगरसाय साकिन पटना
2	299/1	0.020	निजी भूमि	सावन आ0 राजेश
3	299/3	0.010	निजी भूमि	पुष्पा पति मुखीराम निवासी गोदरीपारा चिरमिरी
4	300/3	0.010	निजी भूमि	लीलाबाई बेवा गोरेलाल, आनंन्द कुमार आ0 गोरेलाल, राजकुमारी पुत्री गोरेलाल
5	301	0.020	निजी भूमि	जानकी, दुर्गावती, पुत्री सोमारू, परशुराम, शिवनाथ पिता सोमारू, भगवंती पति सोमारू
6	286/1	0.020	निजी भूमि	सोहन पिता मोलई
7	284/3	0.020	निजी भूमि	केवला बाई, दुर्गा कुर्रे, पिता रामफल कुर्रे, चंदुलाल कुर्रे, दादर कुर्रे, नटवरलाल कुर्रे पिता रामफल कुर्रे, पुष्पा कुर्रे पति रामफल कुर्रे
8	302	0.020	निजी भूमि	सिरन्ती पुत्री श्यामलाल
9	303/10	00.070	निजी भूमि	बारेलाल आ0छोटुराम
10	304/1	0.020	निजी भूमि	महेन्द्र पिता फुलसाय
11	305/1	0.040	निजी भूमि	सोहन पिता मोलई
12	305/3	0.030	निजी भूमि	मोहन,संतोष पिता मेहीलाल
13	303/2	0.030	निजी भूमि	जयनाथ आ0 परसंगीलाल, रामनाथ आ0 छक्केलाल, ना0बा0 सुरज करन आ0 सोहागराम, सुखमन बेवा सोहाग राम
14	327/1	0.030	निजी भूमि	सोहन पिता मोलई रिमार्कः सिविल न्यायालय मनेन्द्रगढ़ में व्यवहार वाद प्रकरण कमांक 18ए/2025 विचाराधिन है।
15	327/4	0.020	निजी भूमि	रामभरोष आ0 धनई रिमार्कः सिविल न्यायालय मनेन्द्रगढ़ में व्यवहार वाद प्रकरण कमांक 18ए/2025 विचाराधिन है।
16	327/3	0.010	निजी भूमि	प्रेमलाल आ0 जनकधारी, फुलबाई पुत्री जनकधारी
योग	16	0.400		

ग्राम– लाई, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला एम0सी0बी0 (छ0ग0)

क्र.	खसरा नंबर	अर्जित क्षेत्रफल रकबा हे.में	भूमि का प्रकार	कृषक का नाम, पिता/पति का नाम
1	185/1	0.310	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
2	187/32	0.160	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
3	188	0.090	निजी भूमि	महेश प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद, लल्लू प्रसाद पिता जीतलाल, बृजमोहन पिता शिवराम, जाति कलार निवासी ग्राम सरोला
4	196/1	0.140	निजी भूमि	सुमारसाय पिता भवन सिंह, तारा, सोनकली पिता भवन सिंह जाति गोंड़ निवासी ग्राम भूमिस्वामी
5	194/2	0.090	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
6	194/1	0.023	निजी भूमि	ललनचंद, ललिता, मोहन, केवला प्रसाद, रामचन्द्र आयन, पिता महावीर, पतिया बेवा महाबीर
7	193/3	0.110	निजी भूमि	सीताराम, ज्ञान सिंह पिता शिवभजन, सुखमन बेवा रघुनाथ ना. मान सिंह, पिता अमर, मनोहर, विनोद, मोहर, अनुप, महेश पिता ननका सिंह, सोनीबाई, सोनकुंवर पुत्री रघुनाथ, फुलकुवंर, उर्मिला पुत्री ननका सिंह
8	207/2	0.082	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
9	195	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
10	189/4	0.04	निजी भूमि	श्रीमती शुषा शिवहरे पति पी.आर. शिवहरे, जाति अ.पि.व निवासी ग्राम अंबिकापुर
11	189/5	0.02	निजी भूमि	रघुवर पिता गंगाराम जाति अहीर, निवासी ग्राम भूमिस्वामी
योग	11	1.075		

ग्राम– उदलकछार, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला एम0सी0बी0 (छ0ग0)

क्र.	खसरा नंबर	अर्जित क्षेत्रफल रकबा हे.में	भूमि का प्रकार	कृषक का नाम, पिता/पति का नाम
1	142	0.065	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
योग	1	0.065		

ग्राम– शंकरगढ़, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला एम0सी0बी0 (छ0ग0)

1	402	0.010	शासकीय भूमि	शासकीय भूमि
2	403/2	0.020	निजी भूमि	राजकुमारी पिता श्रीपाल
योग	2	0.030		

ग्राम– बेलबहरा, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला एम0सी0बी0 (छ0ग0)

1	564/1	0.210	निजी भूमि	सीतम, हरि, बीरसिंह, देवसिंह आ0 परसलाल, रामचन्द्र, रामसिंह आ0 प्रीतम
योग	1	0.210		

ग्राम– सावांरावां, तहसील पटना, जिला कोरिया (छ0ग0)

1	785	0.010	निजी भूमि	फेंकूराम पिता आ. रंजीत
योग	1	0.010		

ग्राम– ऊचड़ीह तहसील सूरजपुर, जिला– सूरजपुर (छ0ग0)

1	1695/1	0.07	निजी भूमि	हुलास राम, रमेशराम आ0 अमरसाय
2	1695/2	0.06	निजी भूमि	मोहरमनिया पिता/पत्नी नर्मदा
3	1695/3	0.07	निजी भूमि	आभा राजवाड़े पति का नाम सिध्दनाथ
4	1694/1	0.04	निजी भूमि	बसंत राम आ0 गोपाल बिजेसरी, सोनामती, रामेसरी पुत्री गोपाल माधो बे. गोपाल
5	1693/3	0.02	निजी भूमि	आभा राजवाड़े पति का नाम सिध्दनाथ
6	1194	0.066	निजी भूमि	धनिया बाई पिता अमरसाय, कौशल्या पिता अमरसाय, बच्चु पिता बोधन, हरि प्रसाद पिता बाचेन, बालकुवर पिता बाचेन, तीरथ राम पिता रामखेलावन, फुलकुंवर पिता रामखेलावन
योग	6	0.326		

कुल अर्जित कि जाने वाली भूमिः 6.980 हेक्टेयर
(फा.सं. **Dy.CE/Con/ABKP/Doubling/BRND-SJQ**)

(आलोक तिवारी)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)
द.पू.म. रेलवे बिलासपुर

CPR/10/FL/441

शराब घोटाला...चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ की संपत्ति कुर्क

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम के बेटे के खिलाफ ईडी का एक्शन,364 प्लॉट अटैच

रायपुर,13 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, अटैच की गई संपत्तियों में 364 आवासीय प्लॉट और कृषि भूमि के टुकड़े शामिल हैं। जिनकी कीमत 59.96 करोड़ रुपए है। इसके अलावा 1.24 करोड़ रुपए की चल संपत्तियां बैंक बैलेंस और फिक्स्ड डिपॉजिट भी जब्त की गई हैं। शराब घोटाला मामले में अब तक कुल 276 करोड़ की संपत्ति अटैच की जा चुकी है। वहीं कांग्रेस ने इसे विद्वेषपूर्ण कार्रवाई बताया है। संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पैतृक संपत्ति को अटैच किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

शराब घोटाले में 2500 करोड़ की अवैध कमाई...

ईडी ने यह जांच एसीबी ईओडब्ल्यू रायपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। एफआईआर में आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराएं लगाई गई थीं। जांच में पता चला कि इस घोटाले से राज्य सरकार के खजाने को भारी नुकसान हुआ और करीब 2500 करोड़ रुपए की अवैध कमाई का खेल चला।

चैतन्य बघेल सिंडिकेट का प्रमुख था...

ईडी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है कि चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के सर्वोच्च स्तर पर था। उसकी स्थिति और राजनीतिक प्रभाव के कारण वही पूरे नेटवर्क का नियंत्रक और फैसले लेने वाला व्यक्ति था। सिंडिकेट द्वारा इकट्ठा की गई अवैध रकम का हिसाब वही रखता था। कलेक्शन, चैनलाइजेशन और वितरण से जुड़े सभी प्रमुख फैसले उसके डायरेक्शन पर लिए जाते थे।

अवैध कमाई को 'विठ्ठल ग्रीन' में लगाया गया

ईडी ने बताया कि चैतन्य ने शराब घोटाले से कमाई की गई रकम को अपने रियल एस्टेट बिजनेस में लगाया और उसे वैध संपत्ति के रूप में दिखाने की कोशिश की। उसने यह पैसा अपनी फर्म एम/एस बघेल डेवलपर्स के तहत संचालित प्रोजेक्ट 'विठ्ठल ग्रीन' में लगाया। ईडी ने चैतन्य बघेल को 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

पहले भी हो चुकी है 215 करोड़ की कुर्की : ईडी ने 18 जुलाई 2025 को चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था और वे वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। इससे पहले पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा,अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लन,अनवर ढेबर,आबकारी विभाग के अधिकारी अरुण पति त्रिपाठी और कवासी लखमा (पूर्व आबकारी मंत्री और वर्तमान विधायक) को भी ईडी ने गिरफ्तार किया था। इनकी संपत्ति भी अटैच की गई थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी),रायपुर जोनल कार्यालय ने 10 नवंबर को मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जांच के संबंध में चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क (अटैच) किया है।

अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज : ईडी ने यह जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध शाखा,रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। यह एफआईआर भारतीय दंड संहिता,1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की अलग-अलग धाराओं के तहत राज्य के शराब घोटाले के संबंध में दर्ज की गई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के कोष को भारी नुकसान हुआ।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर मुठभेड़ में मारे गये 27 लाख के इनामी छह नक्सलियों की हुई शिनाख्त

बीजापुर,13 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र के कांदुलनार, कचलारम और गुज्जाकोंटा के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच 11 नवंबर को हुई मुठभेड़ में 27 लाख रुपये के इनामी तीन महिला सहित छह नक्सली मारे गए थे। मारे गये सभी नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। मुठभेड़ स्थल से दो इंसास रायफल, 05 मैग्जीन, 68 कारतूस, एक 9 एमएम काबाईन, 03 मैग्जीन, 22 कारतूस, तीन .303 रायफल, एक मैग्जीन 13 कारतूस,एक सिंगल शॉट रायफल, एक 12 बोर बंदूक, 08 कारतूस, रेडियो, स्केनर,मल्टीमीटर,हेण्डग्रेनेड,सेफ्टीफ्यूज, माओवादी साहित्य,पोच,माओवादी वर्दी,मेडिकल सामग्री एवं अन्य सामग्री बरामद की गई हैं। इस संयुक्त अभियान को डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा और एसटीएफ की टीमों ने अंजाम दिया। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने गुरूवार को बीजापुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षाबलों को डीकेएसजेडसीएम पापाराव, मद्देड़ एरिया कमेटी इंचार्ज डीवीसीएम कन्ना उर्फ बुचन्ना,डीवीसीएम उर्मिला,डीवीसीएम मोहन कड़ती सहित पश्चिम बस्तर डिवीजन के करीब 50 से 60 नक्सलियों के एक बड़े समूह की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षाबलों ने तत्काल इलाके में एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। 11 नवंबर की सुबह लगभग 10 बजे से शुरू हुई यह मुठभेड़ रुक-रुक कर दो दिनों तक जारी रही, जिसमें अंततः छह प्रमुख नक्सलियों को मार गिराने में सफलता मिली। डीवीसीएम कन्ना उर्फ बुचन्ना : यह 8 लाख रुपये का इनामी मद्देड़ एरिया कमेटी का प्रभारी था और गुड्डीपाल,थाना मोदकपाल का निवासी था। पिछले एक दशक से अधिक समय से पुलिस और आम नागरिकों पर हुए कई हमलों का यह मास्टरमाइंड था। उसके खिलाफ 42 आपराधिक मामले दर्ज थे और 18 स्थायी वारंट

जारी थे। पुलिस को मिले दस्तावेजों से यह भी पता चला है कि उसका शहरी नेटवर्क से भी गहरा जुड़ाव था। डीवीसीएम उर्मिला पति पापाराव : यह 8 लाख रुपये की इनामी चिंतलनार, जिला सुकमा की निवासी थी और प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के शीर्ष नेता पापाराव की पत्नी थी। वह पामेड़ एरिया कमेटी की सचिव के तौर पर काम कर रही थी और पीएलजीए बटालियन की रसद व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालती थी। उसकी मौत से पामेड़ एरिया कमेटी और पीएलजीए बटालियन की सप्लाई चेन को बड़ा झटका लगा है। बीजापुर एसपी डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि वर्ष 2025 में बीजापुर जिले में हुए अलग-अलग मुठभेड़ों में 144 नक्सलियों को मार गिराने में सुरक्षा बलों को सफलता मिली है । वही अलग अलग थाना क्षेत्रों में चलाये गये अभियान में 499 नक्सली गिरफ्तार हुए एवं 560 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया । जनवरी 2024 से अब तक जिले में चलाये गये अभियान में कुल 202 नक्सली मारे गये, 1002 नक्सली गिरफ्तार हुए एवं 749 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए।

जिला अस्पताल में आंखों के ऑपरेशन में गंभीर लापरवाही...आयुक्त ने देर रात गठित की 3 सदस्यीय जांच समिति..

बीजापुर,13 नवम्बर 2025। बीजापुर जिला अस्पताल में हुए नेत्र ऑपरेशन के बाद कुछ मरीजों में देखने में समस्या का सामना करना पड़ा। इस मामले ने अब स्वास्थ्य विभाग को सतर्क कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयुक्त (स्वास्थ्य सेवाएं) सह-संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने देर रात 3 सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की है।

जांच समिति में शामिल अधिकारी

डॉ. निधि अत्रिवाल- राज्य कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. महेश सांडिया-संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, बस्तर संभाग और डॉ. सरिता थॉमस- नेत्र शल्य चिकित्सक, जिला अस्पताल जगदलपुर की समिति को 3 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। यह समिति नेत्र शल्य चिकित्सा के दौरान आई जटिलताओं के कारणों की विस्तृत जांच करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपाय सुझाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही आयुक्त डॉ. शुक्ला ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 9 मरीजों को रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में भर्ती कराने के निर्देश दिए। सभी मरीजों के उपचार के लिए आवश्यक दवाइयां और उपकरण तत्काल उपलब्ध कराए गए हैं।

रात 11:45 बजे गठित हुई जांच टीम

डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि उन्हें देर शाम लगभग 8-9 बजे घटना की जानकारी मिली थी। इसके तुरंत बाद उन्होंने देर रात 11:45 बजे जांच टीम का गठन किया। मरीजों के बेहतर उपचार की व्यवस्था प्राथमिकता पर रखी गई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूचना आयुक्त नियुक्ति पर हाईकोर्ट की मुहर,25 साल अनुभव की शर्त को दी वैधता

बिलासपुर,13 नवम्बर 2025। राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने नियुक्ति प्रक्रिया पर लगी रोक को हटाते हुए सरकार के फैसले को वैध करार दिया है। कोर्ट ने कहा कि सर्च कमेटी द्वारा तय 25 साल के अनुभव की शर्त न तो मनमानी है और न ही अवैध। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच ने साफ कहा कि जब किसी पद के लिए बड़ी संख्या में आवेदन आते हैं, तब शॉर्टलिस्टिंग चयन प्रक्रिया का स्वाभाविक और जरूरी हिस्सा होती है। दरअसल,अनिल तिवारी,राजेंद्र कुमार पाठक और डॉ. दिनेश्वर प्रसाद सोनी ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर कर नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि चयन प्रक्रिया शुरू होने के बाद अनुभव की शर्त जोड़ना'खेल के बीच नियम बदलने' जैसा है। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि आरटीआई एक्ट 2005 की धारा 15(5) और 15(6) में अनुभव की कोई न्यूनतम अवधि तय नहीं की गई है। उनका कहना था कि 25 साल की अनिवार्यता विधिक प्रावधानों के खिलाफ है। हालांकि, सर्च कमेटी ने 9 मई 2025 को तय किया था कि केवल वही उम्मीदवार इंटरव्यू के लिए योग्य होंगे, जिनके पास विधि, विज्ञान,प्रौद्योगिकी,समाजसेवा,प्रबंधन,पत्रकारिता, जनसंपर्क,प्रशासन या शासन के क्षेत्र में कम से कम 25 साल का अनुभव हो और जिनकी आयु 65 वर्ष से कम हो। राज्य सरकार ने अपने पक्ष में कहा कि सर्च कमेटी का यह निर्णय आरटीआई अधिनियम के अनुरूप है। अधिनियम में सूचना आयुक्त के लिए 'व्यापक ज्ञान और अनुभव' को आवश्यक बताया गया है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि सर्च कमेटी को योग्यता और अनुभव के मापदंड तय करने का पूरा अधिकार है।

छत्तीसगढ़ पुलिस का अद्भुत रिकॉर्ड! 9 साल पुराना मामला 24 घंटे में खत्म,लापरवाही के लिए 6 एसआई, डीएसपी दंडित...

रायपुर,13 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सख्त फटकार के बाद राज्य पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने अंबिकापुर के एक 9 साल पुराने आपराधिक मामले की जांच में हुई देरी पर सख्त कदम उठाया है। डीजीपी ने खुद हाईकोर्ट में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल किया, जिसके 24 घंटे के भीतर ही साक्ष्य के अभाव में केस को बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। पुलिस विभाग ने लापरवाही के लिए 6 उपनिरीक्षकों (एसआई) की 1 वर्ष की वेतन वृद्धि रोक दी है, जबकि तत्कालीन डीएसपी मणीशंकर चंद्रा के खिलाफ 'निराशा' का दंड लगाया गया है।

9 साल पुराना मामला : मामला वर्ष 2016 का है। याचिकाकर्ता लखनलाल वर्मा के खिलाफ अंबिकापुर थाने में धारा 384, 502, 504, 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया था। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई कि उनके 2 सह-आरोपी पहले ही बरी हो चुके हैं, लेकिन पुलिस जानबूझकर जांच को लंबित रखे हुए है। 6 नवंबर 2025 को हाईकोर्ट ने डीएसपी को व्यक्तिगत रूप से हलफनामा देने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत करने का आदेश दिया था।

डीएसपी ने सौंपी रिपोर्ट,7 अफसरों पर हुई कार्रवाई...

डीएसपी अरुण देव गौतम ने अदालत को बताया कि आदेश मिलते ही पुलिस मुख्यालय ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। देरी के लिए जिम्मेदार अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। संतोषजनक जवाब न मिलने पर 6 उपनिरीक्षक- नरेश चौहान, विनय सिंह, मनीष सिंह परिहार, प्रियेश जॉन, नरेश साहू और वंश नारायण शर्मा की 1 वर्ष की असंचयी वेतन वृद्धि रोकी गई। वहीं तत्कालीन डीएसपी मणीशंकर चंद्रा को 'निराशा का दंड' दिया गया है।

कोर्ट में डीएसपी का हलफनामा...

हलफनामे में डीएसपी ने कहा कि जांच के दौरान कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला, इसलिए मामले में अब धारा 169 सीआरपीसी के तहत अंतिम रिपोर्ट विचारण न्यायालय में पेश की जा रही है। उन्होंने अदालत को भरोसा दिलाया कि हाईकोर्ट के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन किया गया है।

बिलासपुर में धर्मांतरण को लेकर फिर मचा बवाल

आवास में प्रार्थना सभा आयोजित कर रहा था एसईसीएल कर्मचारी... पुलिस ने लिया हिरासत में

बिलासपुर,13 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में धर्मांतरण को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। बुधवार रात सरकंडा थाना क्षेत्र के बसंत विहार कॉलोनी में उस समय हंगामा मच गया जब हिंदू संगठनों को सूचना मिली कि एक घर में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और भारी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, 12 नवंबर की शाम को एसईसीएल में पदस्थ ड्राइवर राजेंद्र खरे ने अपने घर पर एक प्रार्थना सभा आयोजित की थी। बताया जा रहा है कि इस सभा में बहतराई और खमतराई क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर तबके के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को बुलाया गया था। सभा में कुल 20 से अधिक लोग शामिल थे, जिनमें करीब 7 से 8 बच्चे भी मौजूद थे। हिंदू संगठनों के सदस्यों का आरोप है कि इस सभा में उपस्थित लोगों को हिंदू धर्म के प्रति भ्रामक बातें बताकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। यहां तक कि सभा के दौरान हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अपमानजनक बातें कही जा रही थीं। कार्यकर्ताओं के अनुसार, राजेंद्र खरे लंबे समय से इस तरह की गतिविधियों में लिप्त है और लोगों को धीरे-धीरे धर्म परिवर्तन के लिए उकसा रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को काबू में किया और भीड़ को शांत कराया। इस दौरान मकान से ईसाई धर्म से संबंधित किताबें,पर्चे और अन्य प्रचार सामग्री बरामद की गई। मौके पर मौजूद हिंदू संगठनों ने इस पूरी घटना का लिखित शिकायत पत्र सरकंडा थाना प्रभारी को सौंपा और कठोर कार्रवाई की मांग की।

जांच में जुटी पुलिस : हंगामे के दौरान पुलिस ने राजेंद्र खरे को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। शिकायतकर्ता छत्रपाल साहू की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धर्मांतरण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने साफ कहा है कि बिलासपुर में किसी भी तरह का धर्मांतरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जहां-जहां भी इस तरह की गतिविधियां होंगी, वहां जाकर वे विरोध दर्ज कराएंगे। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरी जांच की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में राजेंद्र खरे ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि वह केवल 'प्रार्थना सभा' कर रहा था, धर्मांतरण कराने का कोई इरादा नहीं था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी से बरामद सामग्रियों को जब्त कर लिया है और मामले की विवेचना जारी है।

रायपुर में गौवंश तस्करी पर बड़ी कार्रवाई,2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर,13 नवम्बर 2025। राजधानी रायपुर में गौवंश तस्करी के खिलाफ खमतराई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जो inter-state गौ तस्करी गिरोह से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। वहीं, तीसरा मुख्य आरोपी विवेक तिवारी अब भी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में उमेश दावड़ा (36 वर्ष), निवासी टेका नगर, नागपुर (महाराष्ट्र) और विकास तिवारी (21 वर्ष), निवासी अमरपाटन, जिला सतना (मध्यप्रदेश) शामिल हैं। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, दिनांक 01 नवंबर 2025 की सुबह सूचना मिली थी कि ट्रक क्रमांक सीजी 04 जेडी 9815 में भारी मात्रा में

गौवंश की तस्करी की जा रही है। सूचना पर थाना खमतराई पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर मेटल पार्क, रांवाभाठा, धनेली नाला क्षेत्र में नाकेबंदी की। सुबह करीब 4 बजे उक्त ट्रक मौके पर आया, लेकिन पुलिस को देखकर चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। जब पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली, तो कुल 24 नग गौवंश (नंदी) ट्रक में भरे मिले, जिनमें से 5 की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने प्रार्थी प्रिंस सिंह परमार (26 वर्ष), निवासी कैलाश नगर, बीरगांव की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 1164/25 दर्ज किया।

रायपुर में रिम्स हॉस्पिटल ने शव को बनाया बंधक,थानों के चक्कर लगा रहा मृतक का पिता

रायपुर,13 नवम्बर 2025। रिम्स हॉस्पिटल पर लड़की की लाश को बंधक बनाने का आरोप लगा है। पूरा मामला मंदिर हसौंद थाना क्षेत्र का है,जहां रिम्स हॉस्पिटल संचालित हो रहा है, जानकरी के मुताबिक राजिम निवासी किसान की बेटी का शव नही देने पर हंगामा खड़ा हो गया है, सांप के काटने पर 07 नवबंर को रिम्स में भर्ती कराया गया था, 15 साल की बेटी की इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन जबरन थानो के चक्कर लगवा रहा है, कल रात 10 बजे इलाज के दौरान मौत हुई है, फ़िलहाल हंगामे की सूचना पर मंदिर हसौद थाने से पुलिस टीम पहुंची हुई है। आपको बता दें कि अधिकतर मरीज के मृत हो जाने के बाद प्राइवेट हॉस्पिटल वाले मृतक के परिजनों को बिल थमाकर मोटी रकम की मांग करते है,पैसा जमा नहीं करने पर शव को बंधक बना लेते है, बाउंसरों को सामने खड़े कर गुंडागर्दी भी करते है।

धान बेचने के लिए अब एप से मिलेगा टोकन...खाद्य विभाग नें लॉन्च किया 'तुहर टोकन' ऐप,70% धान खरीदी ऑनलाइन जारी टोकन से होगी

रायपुर,13 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में इस बार मोबाइल एप के जरिए ही किसान धान बेचने के लिए टोकन ले पाएंगे। इसके लिए लंबी लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए नया मोबाइल एप 'तुहर टोकन' लॉन्च किया है।सबसे अच्छा स्मार्टफ़ोन इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके लिए किसानों को पहले आधार कार्ड के जरिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा। हर दिन सुबह 8 बजे से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके जरिए किसान खरीदी के लिए टोकन बना सकेंगे।

सीमांत किसान को 1 एकड़,लघु को 2 और दीर्घ को 3 टोकन तक की सुविधा : खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने बताया कि धान खरीदी को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए किसानों की श्रेणी के अनुसार टोकन की संख्या तय की गई है -

- **सीमांत किसान (2 एकड़ तक) :** अधिकतम 1 टोकन
- **लघु किसान (2 से 10 एकड़) :** अधिकतम 2 टोकन
- **दीर्घ किसान (10 एकड़ से अधिक) :** अधिकतम 3 टोकन

रविवार से शुक्रवार तक बनेगा टोकन,7 दिन तक रहेगा मान्य : नए टोकन के लिए आवेदन रविवार से शुक्रवार तक सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक किया जा सकेगा। जारी टोकन अगले 7 खरीदी दिवसों के लिए मान्य रहेंगे।

मोबाइल ऐप से 70% खरीदी,लघु-सीमांत किसानों को 80% आरक्षण : धान खरीदी केंद्रों की प्रतिदिन की सीमा में से 70% खरीदी मोबाइल एप टोकन के माध्यम से होगी। इस 70% में से 80% लघु और सीमांत किसानों के लिए और 20% दीर्घ किसानों के लिए आरक्षित रहेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी केंद्र की प्रतिदिन की खरीदी सीमा 1000 क्विंटल है, तो मोबाइल ऐप के माध्यम से 700 क्विंटल खरीदी होगी। इसमें 560 क्विंटल लघु और सीमांत किसानों और 140 क्विंटल दीर्घ किसानों के लिए आरक्षित रहेगा। शेष 30% टोकन समितियों (सोसाइटी) में उपलब्ध रहेंगे ताकि सभी वर्ग के किसान धान विक्रय के लिए आवेदन कर सकें।खाद्य विभाग का कहना है कि यह व्यवस्था समान अवसर, पारदर्शिता और समय की बचत सुनिश्चित करेगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)